RNINo.UPHIN/2016/70293

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

अमित रेखा

वर्ष 05 | अंक 282 | कुशीनगर | शनिवार 14 अगस्त, 2021 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1 रूपये

प्रधानमंत्री मोदी ने स्क्रैपेज पॉलिसी लॉन्च की, बोले....

अब उम्र की सीमा खत्म

फिटनेस टेस्ट में फेल हुई तो कल ही कबाड़ हो सकती है आपकी कार

नई दिल्ली,एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गुजरात में हो रही इन्वेस्टर समिट में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने समिट में नेशनल ऑटोमोबाइल स्क्रैपेज पॉलिसी (छ ौच) लॉन्च की, जिसका ऐलान इस साल बजट में किया गया था। मोदी ने इस पॉलिसी के फायदे गिनाते हुए बताया कि अब गाड़ियों को उनकी उम्र देखकर नहीं, बल्कि फिटनेस टेस्ट में अनफिट होने पर स्क्रैप किया जाएगा। यानी अगर गाड़ी को 15 साल नहीं हुए हैं, लेकिन वह चलाने में अनफिट है, तब भी उसे स्क्रैप किया जा सकता है। इसमें इन्वेस्टर्स 10,000 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे। गाड़ी स्क्रैप कराने पर मिलेंगे कई फायदे मोदी ने कहा कि पुरानी गाड़ी को स्क्रैप कराने पर सर्टिफिकेट मिलेगा। नई गाड़ी खरीदते समय अगर यह सर्टिफिकेट दिखाएंगे तो, रजिस्ट्रेशन पर पैसा नहीं देना होगा। साथ ही, रोड टैक्स में कुछ छूट दी जाएगी। नई कार से मेंटेनेंस में बचत होगी और रोड एक्सीडेंट का खतरा टलेगा। पुरानी गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण से स्वास्थ भी बेहतर होगा। सरकार इस पॉलिसी को क्यों लाई? इस पॉलिसी से कार के मालिक का क्या फायदा होगा? कैसे पता चलेगा कि कार स्क्रैपिंग के लायक है या नहीं? स्क्रैपिंग से जुड़े सभी सवालों के जवाब हम बता रहे हैं... 1. स्क्रैपेज पॉलिसी क्या है? इस पॉलिसी के तहत कमर्शियल गाड़ियों को 15 साल और प्राइवेट व्हीकल को 20 साल बाद कबाड़ किया जाएगा। हालांकि, नए नियम के चलते अब गाड़ी की उम्र देखकर ही स्क्रैप नहीं किया जाएगा, बल्कि फिटनेस टेस्ट में अनफिट होने पर भी स्क्रैप किया जाएगा। इस पॉलिसी की तहत कार मालिकों को कैश तो मिलेगा ही, सरकार की तरफ से नई कार खरीदने पर सब्सिडी भी मिलेगी। 2. कैसे पता चलेगा की कार स्क्रैप लायक है या नहीं? नए नियमों से साफ होता है कि कार मालिक को समय–समय पर अपनी कार ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर या रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फेसिलिटी (RVSF) पर जाकर चेक करानी होगी। यहां पर इंजन, ट्रांसमिशन, बॉडी जैसी चीजों के आधार पर उसका फिटनेस टेस्ट किया जाएगा। टेस्ट के रिजल्ट को देखकर तय किया जाएगा।

कार को कबाड़ कराना फायदे का सौदा

- स्क्रैपेज पॉलिसी से कार मालिक को कैश और डिस्काउंट मिलेगा
- कमर्शियल व्हीकल को 15 साल बाद स्क्रैप किया जाएगा
- प्राइवेट व्हीकल को 20 साल बाद कबाड़ किया जाएगा
- पॉल्यूशन रोकने में मदद मिलेगी, ई-व्हीकल को बढ़ावा मिलेगा

गोरखपुर शहर के रामगढ़ताल के किनारे अब मैकडोनाल्ड मैकडी, डोमिनोज या पिज्जा हट के आउटलेट में व्यंजनों का स्वाद भी लेने का मौका मिल सकेगा। चंपा देवी पार्क के पास सड़क के किनारे आउटलेट के लिए जगह देने का निर्णय लिया गया है। एक बड़े आउटलेट के साथ ही नौकायन पर फूड पार्क बनाने की योजना है।

भारत को अगले माह तक मिलेगी सिंगल डोज वैक्सीन

नईदिल्ली,(एजेंसी)। कोरोना वायरस के खिलाफ देश में तैयार हो रही रूसी वैक्सीन स्पुतनिक लाइट सितंबर तक भारत को मिल सकती है। बताया जा रहा है कि सिंगल डोज वाली ये वैक्सीन शुरुआत में सीमित संख्या में उपलब्ध होगी और इसकी कीमत 750 रुपए होगी। कंपनी ने इसके इमरजेंसी यूज के लिए भी आवेदन दे दिया है। भारत में अब तक आयात की हुई स्पुतनिक वी का इस्तेमाल हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पैनेशिया ने इमरजेसी यूज की मंजूरी के लिए डोजियर जमा कर दिया है। स्पुतनिक लाइट को रूस की गमालेया इंस्टीट्यूट ने आरडीआईएफ के समर्थन के साथ तैयार किया है। जुलाई में पेनेशिया बायोटेक ने स्पुतनिक वी वैक्सीन के निर्माण के लिए लाइसेंस लेने का ऐलान किया था। वहीं रूस ने 6 मई को कोरोना वायरस के खिलाफ वैक्सीन स्पुतनिक लाइट को मंजूरी दी थी और कहा था कि इससे सामूहिक प्रतिरक्षा प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी आ सकती है। रूस ने जनवरी में स्पुतनिक लाइट का मानव परीक्षण शुरू किया था और अध्ययन अभी भी जारी हैं। स्पुतनिक लाइट रूस में चौथी घरेलू विकसित कोविड वैक्सीन है, जिसे देश में मंजूरी दी गई है।

अब तक 52 करोड़ 95 लाख से अधिक कोविड रोधी टीके लगाए गए

नईदिल्ली,(एजेंसी)। भारत में कोविड–19 टीकाकरण का कवरेज 53 करोड़ के निकट पहुंच गया है। आज सात बजे सुबह तक की अस्थायी रिपोर्ट के अनुसार 60,40,607 सत्रों के जरिये टीके की कुल 52,95,82,956 खुराकें लगाई गईं। पिछले 24 घंटों में वैक्सीन की 57,31,574 खुराकें लगाई गईं। सबके लिये कोविड–19 टीकाकरण का नया अध्याय 21 जून, 2021 को शुरू हुआ था। केंद्र सरकार देशभर में कोविड–19 टीकाकरण का दायरा बढ़ाने और इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिये कटिबद्ध है। पिछले 24 घंटों में भारत में रिकवरी दर 97.46 प्रतिशत पहुंच गई है। भारत में महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक की यह सबसे अधिक रिकवरी दर है। महामारी की शुरूआत से जितने लोग संक्रमित हुये हैं, उनमें से 3,13,02,345 लोग कोविड–19 से पहले ही उबर चुके हैं, और पिछले 24 घंटों में 42,295 मरीज स्वस्थ हुये हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान भारत में 40,120 दैनिक नये मामले दर्ज किये गये। लगातार 47 दिन से 50 हजार से कम दैनिक मामले आ रहे हैं। यह केंद्र और राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों के मिले–जुले और सतत प्रयासों का नतीजा है। भारत में सक्रिय मामलों की संख्या 3,85,227 दर्ज की गई है। सक्रिय मामले अब देश के कुल पॉजिटिव मामलों का 1.20 प्रतिशत रह गये हैं, जो मार्च 2020 के बाद अब तक की सबसे कम दर है। देश में जांच क्षमता को लगातार बढ़ाया जा रहा है, देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कुल 19,70,495 जांचें की गईं।

ट्विटर हैंडल ब्लॉक होने पर राहुल नाराज

कांग्रेस नेता ने कहा– ट्विटर ने मेरे 1.9 करोड़ फॉलोअर्स का हक छीना, यह लोकतंत्र पर हमला है

नयी दिल्ली,एजेन्सी। राहुल गांधी ने ट्विटर अकाउंट ब्लॉक किए जाने पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए वीडियो जारी किया है। इसका टाइटल दिया है ट्विटर का खतरनाक खेल. ..राहुल ने कहा है, श्मेरा ट्विटर अकाउंट बंद कर वे राजनीतिक प्रक्रिया में दखलंदाजी कर रहे हैं। एक कंपनी हमारी राजनीति को परिभाषित करने को बिजनेस बना रही है। एक राजनीतिज्ञ के तौर पर मैं इसे पसंद नहीं करता। यह देश के लोकतंत्र पर हमला है। यह सिर्फ राहुल गांधी पर हमला नहीं है। मेरे 19 से 20 मिलियन फॉलोअर हैं। आप उनसे मेरा ओपिनियन जानने का हक छीन रहे हैं। वे इस बात को गलत ठहरा रहे हैं कि ट्विटर एक न्यूट्रल प्लेटफॉर्म है। ये बहुत खतरनाक है। हमारे लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। ट्विटर भेदभाव करने वाला प्लेटफॉर्म हो गया है। राहुल की ये नाराजगी इसलिए है, क्योंकि ट्विटर ने पिछले शनिवार को राहुल गांधी का हैंडल ब्लॉक कर दिया था। ये एक्शन इसलिए लिया गया, क्योंकि राहुल ने दिल्ली की रेप पीड़ित बच्ची के मां–पिता की फोटो शेयर की थी। इसे ट्विटर ने अपने नियमों का उल्लंघन बताया था। राहुल के ट्वीट पर बाल आयोग ने की थी शिकायत राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR) राहुल के ट्वीट को लेकर दिल्ली पुलिस और ट्विटर से शिकायत की थी। NCPCR ने पीड़ित बच्ची के परिवार की फोटो पोस्ट करने पर राहुल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। आयोग का कहना था कि यह जुवेनाइल जस्टिस एक्ट और प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस (POCSO) एक्ट का उल्लंघन है। कांग्रेस के 5 दूसरे नेताओं के हैंडल भी ब्लॉक हुए थे कांग्रेस ने बुधवार रात दावा किया कि उसके पांच और सीनियर लीडर्स के ट्विटर अकाउंट भी लॉक किए गए थे। इनमें पार्टी महासचिव और पूर्व मंत्री अजय माकन, लोकसभा में पार्टी के व्हिप मणिकम टैगोर, असम प्रभारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुष्मिता देव शामिल हैं। दावा किया है कि पार्टी का ऑफिशियल ट्विटर हैंडल भी लॉक कर दिया गया। इस मुद्दे पर कांग्रेस ने फेसबुक पर लिखा, श्जब हमारे नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया, हम तब नहीं डरे तो अब ट्विटर अकाउंट बंद करने से क्या खाक डरेंगे।

ट्विटर पर राहुल का पलटवार

केवल एक फ्लैट के मालिक परिवार को 4-5 कारें रखने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए

मुंबई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र में वाहनों की पार्किंग के लिए निर्दिष्ट स्थान के संबंध में एक समान नीति के अभाव पर दुख जताते हुए बंबई हाईकोर्टने कहा कि अधिकारियों को ऐसे नागरिकों को एक से अधिक निजी वाहन रखने की अनुमति नहीं देनी चाहिए जिनके पास पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं हो। चीफ जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जी एस कुलकर्णी की पीठ ने कहा कि अधिकारियों को श्ऐसे परिवार को चार या पांच कार रखने की अनुमति नहीं देनी चाहिए जिनके पास केवल एक ही फ्लैट है और जिनकी आवासीय सोसाइटी में उनके पास श्वाहन की पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। पीठ नवी मुंबई के निवासी एवं कार्यकर्ता संदीप ठाकुर की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उस सरकारी अधिसूचना को चुनौती दी गई है जिसमें डेवलपर को कार पार्किंग के लिए स्थान घटाने की इजाजत देने के लिए एकीकृत विकास नियंत्रण एवं संवर्धन नियामक कानून में संशोधन किया गया है। ठाकुर ने याचिका में कहा कि डेवलपर नई गगनचुंबी इमारतों में पर्याप्त पार्किंग स्पेस नहीं दे रहे हैं जिसके कारण निवासी आवासीय सोसाइटी के परिसरों के बाहर वाहन खड़े करने पर मजबूर हैं। अदालत ने कहा, श्सभी सड़कों पर वाहनों की बाढ़ सी है।

मिशन 'चंद्रयान–2' के हाथ लगी बड़ी कामयाबी

चांद की सतह पर खोज निकाला पानी

नईदिल्ली,(एजेंसी)। भारत के दूसरे चंद्र मिशन चंद्रयान–2 को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। चंद्र मिशन श्चंद्रयान–2य ने चंद्रमा पर पानी के अणुओं की मौजूदगी का पता लगाया है। मिशन के दौरान प्राप्त आंकड़ों से यह खुलासा हुआ है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष ए एस किरण कुमार केसहयोग से लिखे गए अनुसंधान पत्र में कहा गया है कि श्चंद्रयान–2य में लगे उपकरणों में इमेजिंग इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर (आईआईआरएस) नामक उपकरण भी है, जो वैश्विक वैज्ञानिक आंकड़ा प्राप्त करने के लिए 100 किलोमीटर की एक ध्रुवीय कक्षा से संबंधित काम कर रहा है। दरअसल, एक पत्रिका में प्रकाशित पत्र में कहा गया कि आईआईआरएस से मिले शुरुआती डाटा से चंद्रमा पर 29 डिग्री उत्तरी और 62 डिग्री उत्तरी अक्षांश के बीच व्यापक जलयोजन और अमिश्रित हाइड्रोक्सिल (ओएच) और पानी (एच2ओ) अणुओं की मौजूदगी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। भारत ने अपने दूसरे चंद्र मिशन चंद्रयान–2 को 22 जुलाई 2019 को चांद के लिए रवाना किया था।

नेहरू प्लेस में आग, मौके पर अफरा-तफरी

नईदिल्ली,(एजेंसी)। राजधानी के आईटी हब नेहरू प्लेस में गुरुवार शाम आग लग गई। अचानक धुंए के गुबार उठने लगे तो मौके पर अफरा–तफरी मच गई। लोग घबराकर इधर–उधर भागने लगे। मामले की सूचना पुलिस के अलावा दमकल विभाग को दी गई। खबर मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल की 10 गाडियां मौके पर पहुंची। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। शुरूआती जांच के बाद पुलिस का कहना है कि बिजली के बोर्ड में चिंगारी निकलने की वजह से आग लगी। हादसे की सही वजहों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 5.24 बजे सूचना मिली कि जेडोर हाउस दुकान नंबर–104 में आग लग गई है। यहां विनीत कटारिया नामक शख्स का कपड़े का शोरूम व गोदाम था। शोरूम पहली मंजिल पर था। देखते ही देखते यहां धुंआ पूरी मार्केट में फैल गया। कई मंजिल ऊंची इमारत को एहतियात के तौर पर खाली करवा लिया गया। पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने लोगों को शांत करवाया।

किन्नौर के बाद लाहौल में टूटा पहाड़

चंद्रभागा नदी का बहाव रुका

कुल्लू,(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में बारिश के चलते कई हादसे हो रहे हैं। अभी बीते दिन किन्नौर जिले में नेशनल हाइवे पर भूस्खलन हो गया था और अब लाहौल में पहाड़ टूटने की खबर आ गई है। इस खबर से इलाके में हडकंप मच गई है। जानकारी के अनुसार लाहौल में पहाड़ टूटने पर नाले का पानी रुक गया है। इस घटना से आसपास के गांवों में खतरा पैदा हो गया है। लाहौल में पहाड़ टूटने की घटना से चंद्रभाग नदी का बहाव रुक गया है। इस घटना से गांव के रहने वाले लोगों के लिए खतरा बढ़ गया है। इस इलाके के लोगों को सुरक्षित जगह पर जाने की हिदायत दी जा रही है। इस इलाके के गांव में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। पूरी नदी बांध का रूप ले चुकी है। चंद्रभागा नदी का बहाव रुकने से जूंडा, तडंग और जसरथ गांव की सैकड़ों बीघा जमीन फसल के साथ जलमग्न हो गई है।

वनटांगिया ग्राम में पट्टे हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी

अमित रेखा सुनील पांडेय ब्यूरो महराजगंज। वनटांगिया ग्राम में पट्टे हेतु दावे के संदर्भ में बैठक जिलाधिकारी डॉ. उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में सम्पन्न हुई बैठक में वनटांगिया ग्राम भारी बैंसी में पट्टे हेतु 158 आवेदनों पर विचार किया गया। इस संदर्भ में जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रभागीय वन अधिकारी गोरखपुर प्रभाग, एसडीएम फरेंदा और तहसीलदार फरेंदा के साथ समन्वय स्थापित करते हुए 15 दिनों के भीतर नियमानुसार निस्तारित किया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि निस्तारण के क्रम में वनटांगिया ग्राम समिति के साथ बैठक कर सहमति ले ली जाए। इसके अलावा इस संदर्भ में आवश्यक पैमाइश को सक्षम स्तर से करा लिया जाए।बैठक मे प्रभागीय वन अधिकारी गोरखपुर, अविनाश कुमार, एसडीएम फरेंदा अभय कुमार गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पांडेय समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

हर हाल में निर्धारित सीडी रेशियो 40 प्रतिशत की पूर्ति सभी बैकर्स करें सुनिश्चित

– बैकों में लम्बित पत्रावलियों का शीघ्र करें निस्तारण
– आरबीआई गाईड लाइन का भी अक्षरशः करें पालन:डीएम
– शासन की वित्त पोषित योजनाओं का प्रमुखता से करें क्रियान्वयन
– साख जमा अनुपात बढाए जाने के लिए बैंकर्स कार्य योजना बना कर करें कार्य

राजू प्रसाद श्रीवास्तव।
अमिटरेखा देवरिया ब्यूरो
जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने सभी बैकों को शासन द्वारा संचालित वित्त पोषित योजनाओं में पूरी तरह तत्परतापूर्वक कार्य किए जाने व उसका लाभ लाभार्थियों तक पहुँचाये जाने का निर्देश दिया है। उन्होने कहा कि आर्थिक उन्नयन व स्वालम्बन में बैकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए वे इसमें पूरी सक्रियता बरतेगें। उन्होने यह भी कहा है कि जनपद का साख जमा अनुपात 40 प्रतिशत की पूर्ति हर हाल में सुनिश्चित करें तथा यह भी प्रयास हो कि इससे अधिक सीडी रेशियो की उपलब्धि बैंकर्स अर्जित करें। जिलाधिकारी श्री निरंजन गूगल मीट के माध्यम से जिला बैंकर्स सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होने यह भी कहा कि शासन की प्राथमिकताओं व उसकी मंशा अनुरुप एवं रिजर्व बैंक आफ इंडिया के गाईडलाइन का अक्षरशः पालन करते हुए संचालित योजनाओं को क्रियान्वित करेगें। साथ ही बैंको में जो भी पत्रावलियां लम्बित है, उसका प्राथमिकता के साथ सभी बैंकर्स निस्तारित करेगें। निर्धारित सीडी रेशियो बढाए जाने हेतु सभी बैंकर्स अपनी कार्य योजना बनाकर प्रस्तुत करेगें व तदअनुरुप उसकी पूर्ति भी सुनिश्चित करेगें। अग्रणी बैंक प्रबंधक राकेश श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी को आश्वस्त करते हुए कहा कि दिए गए निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराया जायेगा। इसके लिए सभी बैंक रोडमैप तैयार कर कार्य सुनिश्चित करेगें।

चोरी के आरोप में युवक को पेड़ में बाध कर पीटा

अमित रेखा व्यूरो
प्रताप गढ। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के पूरेदल पत शाह गांव निवासी मुन्नी लाल गौतम शुक्रवार की दोपहर में बाजार से आ कर घर के समीप अपनी बाइक खड़ी कर के घर चला गया क्यों की मुन्नी लाल के घर के पास के पास बरसात का पानी लगा हुआ हैं जल जमाव के कारण रास्ता बंद हैं इस लिए बाइक को घर से सौ मीटर दूर छोड़ घर चला गया कुछ समय बाद बाइक लेने पहुँचा तो देखा बाइक गायब थी बाइक की तलाश शुरू किया राहगीरों ने बताया की एक युवक बाइक भाटी के रास्ते पर पैदल जा रहा हैं लोगों ने युवक का पीछा किया गया लोगों द्वरा तो भाटी कुटी पर युवक को पकड़ लिया और बाइक समेत युवक को घर लाने पर नीम के पेड़ में बांध ग्रमीणों ने पीटा बड़े बुजुर्गों के हस्तछेप करने पर युवक को छोड़ दिया मामले में पुलिस को जानकारी नहीं दी गई।

घर का पैसा व आभूषण किशोरी को बहला-फुसलाकर ले भागा

अमित रेखा व्यूरो
प्रताप गढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के दोनई ग्राम सभा की कुमारी प्रास्थी पुत्री रामआसरे गौतम जिसकी उम्र लगभग 12 वर्ष है थाना पट्टी आकर लिखित सूचना देते हुए बताया कि सौरभ नाम का एक युवक जो थाना क्षेत्र के बेसार गांव का है गुरुवार के दिन पीड़िता की घर पर कोई व्यक्ति नहीं था मां बाप खेत में गए हुए थे मौका देख कर सौरभ पीड़िता के घर आ गया और घर में रखे हुए रुपये 10000 नगदी व सोने चांदी की सब गहने मांग ले गया पीड़िता ने बताया कि सौरभ ने पीड़िता के साथ छेड़छाड़ भी किया नगदी गहने ले जाने के बाद भी फोन पर बराबर धमकी दे रही है कि अगर किसी से बताया कि सब को जान से मार दूंगा प्रार्थनीय अपने माता पिता के साथ भयभीत होकर थाना पट्टी आये और लिखित सूचना देकर जान माल की सुरक्षा का गुहार लगाया है

यौन शोशित युवती को नहीं मिल रहा न्याय

अमित रेखा व्यूरो।
प्रताप गढ । पट्टी तहसील क्षेत्र के एक गांव की 1 युवती जिसका पिता दिवंगत है जिसका प्रेम प्रपंच पड़ोस के एक युवक के साथ हुआ बचपन का प्यार इस कदर परवान चढ़ा कि दोनों रजामंदी से राजधानी दिल्ली पहुंच गए 2 वर्ष तक दोनों राजधानी में ऐसो आराम की जिंदगी जी युवती से युवक का जी भर जाने पर युवती को बहला–फुसलाकर घर लाने के बहाने प्रदेश की राजधानी लखनऊ से छोड़कर फरार हो गया अब बेसहारा युवती पुलिस अफसरों से उम्मीद ना लगाती तो क्या करती न्याय की उम्मीद से आसपुर देवसरा प्रभारी निरीक्षक को लिखित शिकायत की पत्र देने के बाद कोई कार्यवाही ना होने पर शुक्रवार को युवती अपनी विधवा मां के साथ क्षेत्राधिकारी पट्टी के चौखट पर आ पड़ी और अपनी दास्तान बताएं पीड़ित युवती ने बताया कि 2 वर्ष तक दिल्ली में यौन शोषण करने के बाद अब शादी करने से मना कर रहा है युवक के परिवार से अपनी विधवा मां के साथ बातचीत करने के लिए जब युवक के घर गई तो युवक की मां निचली जाति होने का ताना देकर व मारपीट कर घर से भगा दिया था पट्टी क्षेत्र अधिकारी ने कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

अमित रेखा सुनील पांडेय ब्यूरो महराजगंज मंडल प्रभारी। मुख्य विकास अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल की अध्यक्षता में जिला स्तरीय विकास अधिकारी तथा ग्राम विकास अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की गयी । समीक्षा बैठक में मनरेगा के तहत होने वाले विभिन्न कार्यों जैसे सभी ब्लॉकों में खेल मैदान,पोषण वाटिका, नर्सरी, तालाब, श्रम रोजगार तथा स्वत रोजगार ,मानव सृजन, मोबाईल मानिटरिंग , मस्टरोल की फिडिंग एवं पेमेंट तथा प्रधान मंत्री व मुख्यमंत्री आवास , सार्वजनिक सामुदायिक शौचालय निर्माण, महिला मेठो को प्रशिक्षित कर मनरेगा के कार्यों को तत्वरित ढंग से कार्यो को करने संबंधी विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने समीक्षा करते हुए सभी बी डी ओ को निर्देशित किया कि ब्लाकवार दो से तीन तकनीकी सहायको को प्रशिक्षण हेतु दो दिनों में सूची उपलब्ध करायें जिससे इनका प्रशिक्षण बेहतर कार्य व तकनीक के साथ हो । उन्होंने कहा कि जब बेहतर कार्य हेतु मैपिंग वह तकनीक का होना आवश्यक। प्राथमिक विद्यालयों की कायाकल्प के तहत होने वाले कार्यो को भी गुणवत्ता व मानक सहित त्वरित गति के साथ किया जाय ।प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना में वर्ष 2021–22 में 987 आवासो की स्वीकृति दी गयी, जिसमें सभी लाभार्थियों के खाते में प्रथम किस्त की धनराशि अन्तरण किया गया है जिसमें कार्य प्रगति पर है। 166 लाभार्थियों को दितीय किस्त भी जारी कर दिया गया है। इसी प्रकार मुख्य मंत्री आवास योजना में 74 लाभार्थियों को प्रथम किस्त भी जारी हो चुका है । वर्ष 2020–21 में 597 के सापेक्ष 367 आवास पूर्ण हो चुका है शेष का द्वितीय किस्त जारी कर दिया गया है। बैठक में पी डी राजकरन पाल ,डी डी ओ जगदीश त्रिपाठी, डी सी मनरेगा अनिल कुमार, डी पी आर ओ के बी वर्मा , बी एस ए ओ पी यादव सहित विकास सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

दीवाल के मलबे मैं दबे 3 मवेशी घायल एक मरा

अमित रेखा व्यूरो
प्रताप गढ। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के लखीपुर कक्षा गांव में राजेश सिंह पुत्र चंद्रभान सिंह अपनी जमीन पर गौशाला बनाए हुए हैं बीती रात 1रू30 बजे के करीब तेज बारिश हो रही थी जिससे पड़ोसी की दीवाल गौशाला पर जा गिरी जिसके मलबे में दबकर तीन घायल घायल हो गई और एक कीमती भैंस की जान चली गई जिसकी सूचना शिकायतकर्ता ने प्रभारी निरीक्षक पट्टी को दिया है प्रार्थी ने पड़ोसियों को नामजद करते हुए बताया है कि पड़ोसी को कई बार दीवाल का मलबा हटाने के लिए निवेदन किया गया था किंतु खुन्नस बस पर पड़ोसी लोग मलबा नहीं हटाए जिससे पीड़ित को भारी क्षति हुई है गौशाला की दीवाल टूट गई और एक कीमती भैंस की जान चली गई प्रभारी निरीक्षक पट्टी को लिखित सूचना देकर प्रार्थी ने न्याय की गुहार लगाई है।

लक्ष्मीपुर बाजार में आयोजित हुआ नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

अमित रेखा सुनील पांडेय
ब्यूरो महराजगंज मंडल प्रभारी। लक्ष्मीपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत एकमा में स्थित ग्राम सचिवालय पर ग्राम प्रधान तजेन्द्र पाल उर्फ गोल्डी सिंह द्वारा शुक्रवार को निरूशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर का शुभारंभ पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुहम्मद अहसन खां ने फीता काटकर किया। जिसमें नेत्र विशेषज्ञों द्वारा सूक्ष्म परीक्षण कर नेत्र सवंधी उपचार व सलाह दिया गया। जांच टीम ने बताया कि आयुष्मान व बीपीएल कार्डधारकों का निरूशुल्क मोतियाबिंद का भी आपरेशन व अन्य सुविधाओं को बताया गया। जांच टीम प्रबनधक रविन्द्र शर्मा, नेत्र चिकित्सक डा. सुनील वर्मा, मनीष कुमार, जसपाल सिंह, रूपेशध् शुक्ल, काजल जायसवाल, मंशा, मनोज कन्नौजिया आदि मौजूद रहे।

आम जनमानस को न्याय दिलाने के लिए एस .पी. की नई पहल

अमित रेखा सुनील पांडेय ब्यूरो महराजगंज मंडल प्रभारी
महाराजगंज जनपद के पुलिस कप्तान ने आम जनता की समस्याओं से सीधे रूबरू होकर उसका निराकरण और फरियादी को त्वरित न्याय दिलाने के लिए आज से जिले में एक नई पहल की शुरुआत करते हुए सदर कोतवाली परिसर में पुलिस चौपाल की शुरुआत की। जिसमें फरियादियों की समस्याओं को सुनकर पुलिस टीम को मौके पर भेज जांच और त्वरित कार्रवाई कराई गई। दो घंटे तक चले चौपाल के दौरान वाहनों के साथ पुलिस की 10 टीमें तैनात की गई थी। जो फरियादियों के साथ मौके पर जाकर उचित कार्रवाई में जुटे हुए थे। वही चौपाल में पहुंचे फरियादी भी पुलिस अधीक्षक के इस नई पहल की सराहना कर रहे हैं। आम जनमानस में कानून व्यवस्था और फरियादियों की समस्याओं को लेकर बदनाम रही पुलिस अब सीधे जनता से जुड़कर उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण के लिए जनपद में एक नई पहल की शुरुआत की है। जिले के पुलिस कप्तान द्वारा शुरू किए गए पुलिस चौपाल का उद्देश्य जनता की समस्याओं को सीधे सुनकर उसका त्वरित निस्तारण करने के बाद आम जनता को पुलिस थाने व चौकी का चक्कर लगाने से राहत देने का था। आज की पुलिस चौपाल में जिले के कप्तान फरियादियों की समस्याओं को सुनने के बाद मौके पर मौजूद पुलिस टीम को उसके निस्तारण का निर्देश दे रहे थे और मौके पर ही निस्तारण की रिपोर्ट भी ले रहे थे। चौपाल के दौरान पुलिस की टीम आवश्यकता पड़ने पर फरियादियों के साथ मौके पर पहुंचकर और मामले की जांचकर उसका निस्तारण कर रहे थे। । वहीं पुलिस की इस नई कार्यशैली से फरियादियों में भी आत्मसंतुष्टि और पुलिस के प्रति काफी विश्वास दिखाई दे रहा था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस चौपाल का उद्देश्य आम जनमानस की समस्याओं को सुनकर मौके पर ही पुलिस टीम के द्वारा त्वारित गति से उनका निस्तारण करने का था। चौपाल के दौरान भूमि विवाद, पति पत्नी के विवाद सहित कई तरह के मामले आए थे। जिसमें पुलिस टीम को मौके पर भेजकर उसका त्वरित गति से निस्तारण कराया जा रहा है। यह चौपाल आम जनता के लिए काफी उपयोगी है जिसमें त्वरित गति से उनकी समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। इस मौके पर पुलिस कप्तान प्रदिप गुप्ता सिओ अजय सिंह चौहान कोतवाल मनीष सिंह यादव और भी पुलिस रही मौजूद।

प्रेम प्रसंग चलते गायघाट खुर्द में पीटकर हत्या किया गया

अमित रेखा सत्य प्रकाश यादव
गोरखपुर। रामगढ़ ताल थाने में पिटाई के बाद युवक की हुई मौत की खबर ग्रुप में चल रहा है जो वह पूर्ण रूप से असत्य है बीते भोर में रामगढ़ ताल थाना क्षेत्र के गायघाट खुर्द में प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक की पिटाई की गई जिसकी हालत नाजुक हो गई बताते चलें कि कई दिनों से बरबसपुर का रहने वाला एक लड़का जिसका नाम गौतम कुमार चौधरी जो गायघाट खुर्द के एक लड़की से प्रेम प्रसंग के चक्कर में पटा हुआ था कि भोर में लड़की से मिलने गया था जिसकी सूचना लड़की के घर वालो को हो गई ।उस युवक को बुरी तरह पीटा और इसकी सूचना पीआरबी 112 पर लड़की के पिता ने सूचना दी मौके पर जाकर पता किया गया तो यह मामला पता चला कि प्रेम प्रसंग का है जिसमें मारपीट लड़की के घरवालों ने किया। जिसकी पिटाई करने से हालत नाजुक हो गई घायल युवक को पीआरबी 112 तत्काल रामगढ़ ताल थाना पर ले गई लेकिन युवक की हालत नाजुक होने की वजह से उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया हालत नाजुक होने की वहज से सदर अस्पताल से मेडिकल कॉलेज रेफर दिया गया तो ले जाते समय युवक की रास्ते में मौत हो गई।

किसान सम्मान समारोह का आयोजन 15 अगस्त को निर्धारित

– इस दौरान उल्लेखनीय योगदान देने वाले षकों को किया जायेगा सम्मानित

राजू प्रसाद श्रीवास्तव–
अमिटरेखा देवरिया ब्यूरो
उप कृषि निर्देशक डा आशुतोष कुमार मिश्र ने बताया है कि आजादी के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 15 अगस्त को किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही रहेंगे तथा जनपद के विशिष्ट जनप्रतिनिधियों विधायक गणध्सांसद धजिलाध्यक्ष ध्ब्लाक प्रमुख आदि की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन करेंगे। इस किसान सम्मान समारोह में जनपद के 75 प्रगतिशील कृषकों को विभिन्न फसलों में उच्च स्तर की उपलब्धता प्राप्त करने वाले, नवीन तकनीक विकसित करने, नवाचार करने तथा कृषक उत्पादक संगठको को बढ़ावा देने एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कृषकों को सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम मेंअधिक से अधिक महिला कृषकों को भी प्रतिभाग कराया जा रहा है। अमृत महोत्सव कार्यक्रम में कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित विभागों यथा गन्ना, मत्स्य, उद्यान, पशुपालन, रेशन विभागों के विशेषज्ञों द्वारा कृषि की नवीन तकनीकी जानकारियां व विभागीय योजनाओं/कार्यक्रमों की जानकारियां दी जायेगी। कृषि विभाग द्वारा फसल अवशेष जलाने से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जानकारी तथा फसल अवशेष को खेत में सड़ाने से होने वाले लाभों से किसानों को जागरूक किया जायेगा। कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन की ओर से नोडल अधिकारी जिला विकास अधिकारी श्रवण कुमार राय रहेंगे, उप कृषि निदेशक डा० आशुतोष कुमार मिश्र कृषि एवं अन्य सम्बन्धित विभागों के नोडल अधिकारी के रूप में रहेंगे तथा कार्यक्रम में शांति व्यवस्था सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण हेतु उप जिलाधिकारी सदर सौरभ सिंह एवं सी०ओ० सिटी संयुक्त रूप में नोडल अधिकारी रहेंगे। उन्होने जनपद के समस्त सम्मानित कृषकों से अपेक्षा किया है कि अधिक से अधिक संख्या में इस दिन आयोजन स्थल ऑडिटोरियम टाउन हॉल में पूर्वान्ह 10.00 बजे पहुंचना सुनिश्चित करेंगे।

स्थगन आदेश के बावजूद नहीं रुक रहा निर्माण युवक परेशान

अमित रेखा व्यूरो
प्रतापगढ । पट्टी तहसील क्षेत्र के धनगढ़ सराय छिवलहा का है जहां राजस्व अधिकारियों के स्थगन आदेश के बावजूद खाकी की मिलीभगत से ग्राम प्रधान प्रार्थी की भूमि धरी जमीन पर निर्माण कार्य कर रहा है उक्त यातना से पीड़ित प्रार्थी दूधनाथ पुत्र राम निहोर का कहना है कि विपक्षी लाल जी व सीता राम राजा राम लाल मणि चिंतामणि सूतगढ़ पूर्णमासी निवासी उपरोक्त प्रार्थी के भुंधरी जमीन पर शौचालय का निर्माण कार्य करवा रहे हैं।

प्रेरणा कैफेटेरिया एवं समूह उत्पाद विक्रय केंद्र का शुभारंभ

अमित रेखा हरदोई। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती वर्मा ने बुधवार को विकास भवन परिसर में प्रेरणा कैफेटेरिया एवं समूह उत्पाद विक्रय केंद्र का किया शुभारंभ ।कहा कि इससे समूह की महिलाओं को स्वावलंबन और स्वरोजगार के लिये एक स्थान मिल गया है। महिलाओं को अपने हुनर से तैयार किये गये उत्पाद मिलेगा और लोंगो को जिले में ही बनी शुद्ध व सही वस्तुयें उपब्लध होंगी । डीएम अविनाश कुमार ने बताया कि बिक्रय केंद्र पर समूह की महिलाओं से तैयार किये गये घरेलू और रोजमर्रा के उत्पाद आमजन के लिये सुलभता से मिलेगे । सीडीओ आकांक्षा राना ने बताया कि नारी शसकती करण की दिशा में एक प्रयास किया गया है समूह की महिलाओं को अपने उत्पाद को बाजार तक लाने में परेशानी नहीं होगी ।भाजपा अबध क्षेत्र के मंत्री पीके वर्मा स्वतरू रोजगार के उपायुकत विपिन चौधरी श्रम रोजगार उपायुकत पीएस चंद्रौल डीडीओ अजयप्रताप सिंह पीडी गजेंद्र तिवारी मिशन प्रबंधक कपिल कुमार महेंद्र मिश्रा सहित अन्य कर्मचारी अधिकारी मौजूद रहे।

कहानी उस एथलीट की जिसने जेवलिन थ्रो में भारत को दिलाया था पहला गोल्ड

देवेंद्र झाध्झड़िया पैरालंपिक से भारत के लिए दो बार स्वर्ण पदक लाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। एथेंस ओलंपिक 2004 से 62.15 मीटर भाला फेंककर विश्व रिकॉर्ड बनाकर और पहली बार स्वर्ण पदक लाए।

टोक्यो में ओलंपिक खेलों के बाद अब पैरालंपिक खेलों की गूंज सुनाई देगी। 24 अगस्त से 5 सितंबर 2021 के बीच पैरालंपिक खेलों का आयोजन जापान की राजध ानी टोक्यो में होगा। जिसमें जेवलिन थ्रो प्रतियोगिता में भारत की ओर से देवेंद्र झाझरिया भी मैदान में उतरेंगे। एथेंस व रियो के बाद अब टोक्यो में देवेंद्र की नजर अपने तीसरे ओलंपिक स्वर्ण पदक पर होगी। देवेंद्र झाझरिया वो खिलाड़ी हैं जिन्होंने 2016 में रियो पैरालंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। इससे पहले साल 2004 के ग्रीष्म पैरालंपिक में भी देवेंद्र झाझरिया गोल्ड मेडल अपने नाम कर चुके हैं। देवेंद्र झाझरिया का जन्म 10 जून 1981 को राजस्थान के चुरू जिले में हुआ था। देवेंद्र झाझरिया के पिता का नाम राम सिंह झाझरिया है। देवेंद्र झाझरिया का जन्म एक सामान्य बच्चे की तरह ही हुआ था। देवेंद्र के माता–पिता चाहते थे कि उनका बेटा पढ़–लिखकर बड़ा आदमी बने। लेकिन जब देवेंद्र झाझरिया 8 साल के थे तब उनके साथ एक भयानक हादसा हुआ। जब वे अपने गांव में पेड़ पर एक फल तोड़ने के लिए चढ़े इसी दौरान उनका एक हाथ बिजली के तार से छू गया। इसके बाद देवेंद्र झाझरिया की जान बचाने के लिए उनका एक हाथ काटना पड़ा। एक हाथ गंवाने के बावजूद भी देवेंद्र झाझरिया ने हार नहीं मानी। उन्हें शुरू से ही भाला

फेंक का खेल पसंद था। लेकिन स्कूल में भाला नहीं था तो देवेंद्र लकड़ी का भाला बनाकर अभ्यास करने लगे। इस दौरान उन्होंने जिला स्तर टूर्नामेंट में भी हिस्सा लिया। देवेंद्र झाझरिया ने 1995 में पैराएथलेटिक्स में हिस्सा लिया।

तोक्यो पैरालंपिक खेलों की वजह से राष्ट्रीय खेल पुरस्कार कार्यक्रम अब 29 को नहीं

देश के सबसे बड़े खेल सम्मान खेल रत्न को हाल में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के नाम पर किया गया जो पहले पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के नाम पर था।

नयी दिल्ली। प्रत्येक वर्ष 29 अगस्त को आयोजित होने वाला राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह इस साल देर से कराया जायेगा क्योंकि सरकार चाहती है कि चयन पैनल तोक्यो पैरालंपिक में भाग लेने वाले पैरा खिलाड़ियों के प्रदर्शन को भी इनमें शामिल करे। पैरालंपिक खेलों का आयोजन तोक्यो में 24 अगस्त से पांच सितंबर तक होगा। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पुरस्कार विजेताओं को चुनने के लिये चयन पैनल गठित कर लिया गया है लेकिन चयन प्रक्रिया में आगे बढ़ने से पहले वे कुछ और समय इंतजार करना चाहेंगे। ठाकुर ने राष्ट्रीय युवा पुरस्कार समारोह के दौरान कहा, ''इस साल के लिये राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समिति गठित कर दी गयी है लेकिन पैरालंपिक का आयोजन किया जाना है इसलिये हम पैरालंपिक के विजेताओं को भी इसमें शामिल करना चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। '' राष्ट्रीय पुरस्कार – खेल रत्न पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार और ध्यानचंद पुरस्कार – हर साल देश के राष्ट्रपति द्वारा 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर दिये जाते हैं जो महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध यानचंद की जयंती भी है। मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा, ''पिछली बार की तरह इस साल भी पुरस्कार समारोह वर्चुअल कराये जा सकते हैं। '' राष्ट्रीय पुरस्कारों के लिये नामांकन प्रक्रिया दो बार बढ़ाये जाने के बाद पांच जुलाई को समाप्त हुई थी। महामारी को देखते हुए आवेदन करने वाले खिलाड़ियों को ऑनलाइन खुद ही नामांकित करने की अनुमति थी लेकिन राष्ट्रीय महासंघों ने भी अपने चुने हुए खिलाड़ी भेजे। भारतीय दल ने हाल में समाप्त हुए तोक्यो ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें देश के खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य सहित कुल सात पदक जीते।

बांग्लादेशी टीम की जश्न पर क्यों भड़के ऑस्ट्रेलियाई कोच ?

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की वेबसाइट पर पोस्ट एक वीडियो को लेकर कथित तौर पर बोर्ड के स्टाफ से बहस की। इस वीडियो में पिछले हफ्ते बांग्लादेश के खिलाड़ियों को आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार श्रृंखला जीतने का जश्न मनाते हुए दिखाया गया है। 'द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' के अनुसार लैंगर और आस्ट्रेलिया के टीम मैनेजर गेविन डोवी क्रिकेट.कॉम.एयू वेबसाइट पर वीडियो को लेकर चर्चा करते हुए दिखे। यह चर्चा हाल में संपन्न पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के तीसरे मैच के बाद हुई जिसे बांग्लादेश ने जीतकर 3–0 की बढ़त बनाई। मेजबान बांग्लादेश ने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 4–1 से जीती। यह मामला शुरुआत में डोवी ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के डिजिटल स्टाफ के साथ उठाया लेकिन जब वह नहीं माना तो मामला बढ़ गया जिसके बाद लैंगर ने स्टाफ के सदस्य को फटकार लगाई। रिपोर्ट के अनुसार, ''डोवी ने कहा कि बांग्लादेश टीम के गीत को सीए द्वारा संचालित वेबसाइट पर पोस्ट करना उचित नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''इस घटना को कम से कम एक दर्जन लोगों ने देखा और कुछ खिलाड़ी इससे असहज थे।'' लैंगर ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन डोवी ने कहा, ''स्वस्थ टीम माहौल में ईमानदार और स्पष्ट चर्चा भी शामिल है, फिर चाहे यह खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ या टीम माहौल से जुड़े अन्य के बीच हो जैसा कि इस मामले में हुआ'' उन्होंने कहा, ''वहां नजरिए में अंतर था और हम किसी विशेष मामले को लेकर असहमत थे। यह ऐसा मामला था जो

निजी तौर पर होना चाहिए था। मैं इसकी पूर्ण जिम्मेदारी लेता हूं।'' सीए के दो डिजिटल मीडिया संचालक बांग्लादेश में हैं। पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में आस्ट्रेलिया की टीम अपने न्यूनतम स्कोर पर सिमट गई थी और उसे 60 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। ऑस्ट्रेलिया पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ भी एक दिवसीय श्रृंखला में 1–4 से हार गया था। आस्ट्रेलिया अपनी पिछली पांच टी20 श्रृंखला गंवा चुका है और इस दौरान टीम ने 21 में से सिर्फ छह मैच जीते हैं।

हाजिर मांग के कारण सोना वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। मजबूत हाजिर मांग के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे स्थानीय वायदा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने का भाव 77 रुपये की तेजी के साथ 46,465 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अक्टूबर महीने की डिलिवरी के लिये सोने की कीमत 77 रुपये यानी 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 46,465 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। इसमें 13,273 लॉट के लिये कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने से सोना वायदा कीमतों में लाभ दर्ज हुआ। वैश्विक स्तर पर न्यूयार्क में सोने की कीमत 0.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,755.40 डॉलर प्रति औंस हो गई।

मजबूत मांग से निकेल वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में एलॉय निर्माताओं की मांग बढ़ने के कारण सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को निकेल वायदा भाव 1.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,493.90 रुपये प्रति किलो हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त माह में डिलीवरी होने वाले निकेल अनुबंध का भाव 20.20 रुपये यानी 1.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,493.90 रुपये प्रति किलो हो गया। इसमें 1,958 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में एलॉय निर्माताओं की की मांग बढ़ने के कारण मुख्यतः निकेल वायदा कीमतों में लाभ दर्ज हुआ।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में 45 प्रतिशत बढ़ी, पर दुपहिया की बिक्री दो प्रतिशत घटी

नयी दिल्ली। कोविड–19 से जुड़े प्रतिबंधों में ढील और त्योहारों के आगामी मौसम को देखते हुए कार कंपनियों द्वारा डीलरों के पास ज्यादा संख्या में वाहन पहुंचाने के साथ भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में 45 प्रतिशत बढ़कर 2,64,442 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 1,82,779 इकाई थी। यात्री वाहनों में कार, यूटिलिटी वाहन और वैन शामिल हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दुपहिया वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में दो प्रतिशत घटकर 12,53,937 इकाई रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में यह 12,81,354 इकाई थी। मोटरसाइकिलों की बिक्री भी जुलाई में 8,37,096 इकाई रही, जो जुलाई 2020 में 8,88,520 इकाई थी, यानी इसमें छह प्रतिशत की कमी दर्ज की गयी। वहीं स्कूटर बिक्री जुलाई 2020 के 3,34,288 इकाइयों से 10 प्रतिशत बढ़कर इस साल जुलाई में

3,66,292 इकाई हो गई। इसी तरह, तिपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 41 प्रतिशत बढ़कर 17,888 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 12,728 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों को छोड़कर सभी श्रेणियों में कुल बिक्री पिछले साल जुलाई के 14,76,861 इकाइयों की तुलना में इस साल जुलाई में 15,36,269 इकाई रही। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि दुनिया भर में सेमी कंडक्टर की कमी और जिंस कीमतों में भारी उछाल के चलते ऑटो उद्योग अब भी चुनौतियों का सामना कर रहा है। मेनन ने कहा, इस तरह के चुनौतीपूर्ण एवं अनिश्चित व्यापार माहौल के बीच भी उद्योग उत्पादन और बिक्री को बढ़ाने की कोशिश में लगा हुआ है।

संक्षिप्त

फाजा टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाले राकेश कुमार कर चुके हैं आत्महत्या का प्रयास

नयी दिल्ली। टोक्यो ओलिंपिक 2020 में शानदार प्रदर्शन के बाद अब खिलाड़ी पैरालंपिक में देश को पदक दिलाने के लिए तैयार हैं। इसी बीच हम बात करेंगे जम्मू–कश्मीर के कटरा में रहने वाले भारतीय पैरा तीरंदाज राकेश कुमार की। साल 2016 में तीरंदाजी की शुरुआत करने वाले राकेश कुमार ने दुबई में फाजा विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट में कंपाउंड व्यक्तिगत इवेंट में स्वर्ण पदक हासिल किया था। एक्सीडेंट ने बदल दी थी जिंदगी साल 2009 में राकेश कुमार एक एक्सीडेंट का शिकार हो गए थे। जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। शुरुआती दिनों में तो वह बहुत ज्यादा निराश रहने लगे थे। इतना ही नहीं उन्होंने तो अपनी जिंदगी तक समाप्त करने की कोशिश की थी। लेकिन जब खेलों के साथ उनका जुड़ाव हुआ तो उनकी जिंदगी को एक मकसद मिला। साल 2009 में हुए एक्सीडेंट की वजह से राकेश कुमार के पैरों ने काम करना बंद कर दिया था। वो छह महीने तक बिस्तर में रहे थे। कई बार अपनी जान लेने की भी कोशिश की लेकिन परिजनों और दोस्तों ने उन्हें बचा लिया था। बता दें कि राकेश कुमार ने भारतीय पैरालिंपिक के लिए क्वालिफाई कर इतिहास रचा है। साई मीडिया ने राकेश कुमार की तस्वीरें साझा करते हुए ट्वीट किया कि टोक्यो पैरालिंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले भारत के पहले पैरा तीरंदाज राकेश कुमार देश के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं और समाज के लिए प्रेरणा हैं। तीरंदाज राकेश कुमार ने कई मौकों पर खुश को साबित किया है और देश का सर भी फक्र से ऊंचा किया है। टोक्यो पैरालंपिक में भी उनसे पदक की उम्मीदें की जा रही हैं। बता दें कि राकेश कुमार ने साल 2018 में इंडोनेशिया में हुए एशियन गेम्स में 10वां स्थान हासिल किया था। इसी साल उन्होंने चेक रिपब्लिक में हुए यूरोपियन आर्चीज वर्ल्ड रैंकिंग टूर्नामेंट में टीम स्वर्ण पदक और साल 2019 में दुबई में 5वे फैजा कप ने कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा जून 2019 में उम्होंने नीदरलैंड में इंटरनेशनल प्रतियोगिता में चौथा स्थान पर रहे थे।

हेस्टर बायोसाइंसेज का पहली तिमाही लाभ बढ़कर 11 करोड़ रुपये पर पहुंचा

नयी दिल्ली। पशु स्वास्थ्य सेवा कंपनी हेस्टर बायोसाइंसेज ने बृहस्पतिवार को कहा कि मजबूत बिक्री से 30 जून, 2021 को समाप्त तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ दो गुना बढ़कर 11.01 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हेस्टर बायोसाइंसेज ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 5.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का परिचालन से राजस्व 60.18 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी अवधि में यह 39.85 करोड़ रुपये था। सूचना में यह भी कहा गया कि कंपनी और गुजरात बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर ने कोवैक्सीन से जुड़े दवा उत्पाद निर्माण के लिए लाइसेंसिंग समझौते की खातिर 28 जून, 2021 को भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) के साथ एक कार्यशर्त समझौता किया है। इसमें कहा गया, इस व्यवस्था के तहत, कंपनी कोवैक्सीन के दवा पदार्थ के विनिर्माण के लिए उपयुक्त बीएसएल–3 प्रतिष्ठान का निर्माण करेगी। परियोजना पर समय के अनुरूप प्रगति हो रही है।

सेंसेक्स, निफ्टी रिकार्ड ऊंचाई पर, आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिन्द्रा में तेजी

मुंबई। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 318 अंक उछलकर नई ऊंचाई पर बंद हुआ। आईसीआईसीआई बैंक, एल एंड टी और टेक महिंद्रा में तेजी के साथ बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आध ारित सेंसेक्स 318.05 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ अब तक के उच्चतम स्तर 54,843.98 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 82.15 अंक की मजबूती के साथ रिकार्ड 16,325.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में सर्वाधिक 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ पावर ग्रिड का शेयर रहा। इसके अलावा टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, टाइटन, एल एंड टी, एनटीपीसी और आईसीआईसीआई बैंक में प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ डा. रेड्डीज, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंस्ट्रीज और एक्सिस बैंक समेत अन्य शेयर नुकसान में रहे। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''आईटी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में तेजी लौटने से बाजार ऊपर चढ़ा। इसके अलावा, पिछले एक–दो दिन से छोटी एवं मझोली कंपनियों में बिकवाली के बाद इन दोनों खंडों में अच्छी लिवाली देखी गयी।'' उन्होंने कहा कि आईटी शेयर पर निवेशकों की नजर रही। इसका कारण मजबूत सौदों के साथ लगातार दहाई अंक में आय में वृद्धि है। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग, टोक्यो और सोल सभी नुकसान में रहें। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में मध्याह्न कारोबार में सकारात्मक रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 71.56 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

हाजिर मांग के कारण तांबा वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर मांग बढ़ने के कारण वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को तांबा की कीमत 0.3 प्रतिशत की तेजी के साथ 737.50 रुपये प्रति किलो हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त माह में डिलीवरी होने वाले अनुबंध के लिये तांबा का भाव 2.20 रुपये यानी 0.3 प्रतिशत की तेजी के साथ 737.50 रुपये प्रति किलो हो गया। इसमें 4,367 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने तांबा वायदा कीमतों में तेजी आने का श्रेय हाजिर बाजार की मांग बढ़ने की वजह से कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार बढ़ाने को दिया।

कमजोर मांग से जस्ता वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार से कमजोरी का संकेत लेते हुए सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को जस्ता वायदा भाव 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 251.10 रुपये प्रति किलो रह गया।

सम्पादकीय........

कृत्रिम भोजन बना रहा हमें रोगी

ऋषि आत्रेय को आयुर्वेद का प्रणेता माना जाता है. एक दिन उनके शिष्यों ने पूछा, आचार्य! क्या कोई ऐसी दवा है, जिससे हर रोग का इलाज हो सके? ऋषि आत्रेय ने मुस्करा कर कहा, हां है. 'आहारप्रभवा रोगा लङ्घनं परमौषधम' यानी उपवास रखना या निराहार रहना ही सबसे बड़ी दवा है, क्योंकि आहार ही बीमारियों की जड़ है. अधिकतर बीमारियां हमारे आहार के दोषों या उसकी मात्रा से जन्म लेती हैं. आज महामारी की तरह फैल रही मधुमेह, जिगर, पेट और दिल की बीमारियां और मोटापा आचार्य अत्रेय की बात को वैज्ञानिक तौर पर प्रमाणित करते हैं. भुखमरी की समस्या को दूर करने के लिए पिछली दो सदियों से हम खेती व पशुपालन का औद्योगीकरण और भोजन का प्रसंस्करण करते आ रहे हैं. भोजन की बढ़ती प्रचुरता और बेहतर होते जीवन स्तर के कारण हम जरूरत से ज्यादा खाने लगे हैं. प्राकृतिक पदार्थों को छोड़ कृत्रिम रूप से तैयार प्रसंस्कृत पदार्थ खाने लगे हैं, जिन्हें पचाने के लिए हमारा शरीर बना ही नहीं है. साथ ही, हमने लंबे उपवास करना और दो भोजन के बीच लंबा अंतराल रखना छोड़ दिया है. इसकी वजह से हमारे पाचन–तंत्र को अपनी देखभाल करने और शरीर को अपनी सफाई और मरम्मत करने का समय नहीं मिल पाता है. कृत्रिम और प्रसंस्कृत पदार्थों को खाने की वजह से शरीर में विकार बढ़ रहे हैं, जो विभिन्न रोगों और मोटापे को जन्म देते हैं. अकेले भारत में ही लगभग आठ करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित हैं. यूरोपीय शोधपत्र डायबीटोलोजिया में प्रकाशित नये शोध के अनुसार, 2045 तक यह संख्या बढ़कर साढ़े तेरह करोड़ हो सकती है. अभी बीस साल की उम्र के 55 प्रतिशत युवाओं और 65 प्रतिशत युवतियों के जीवन में आगे मधुमेह के रोगी बन जाने की आशंका है. डॉक्टर मधुमेह को भारत की मौन महामारी कहने लगे हैं. यह बीमारी गुर्दे, जिगर और पेट की और बहुत–सी बीमारियों को जन्म देती है. पेट के इर्द–गिर्द चर्बी जमा होने लगती है और वजन बढ़ने लगता है. रक्तचाप और दिल की बीमारियां भी घेरने लगती हैं. डॉक्टरों का मानना है कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर में मृत्यु दर ऊंची रहने का एक कारण मधुमेह की बीमारी रहा. भारत में लोग नियमित रूप से खून की जांच नहीं कराते हैं, इसलिए उन्हें बीमारी का पता नहीं होता. विशेषज्ञ मधुमेह के महामारी का रूप धारण करने के चार कारण गिनाते हैं. पहला, हम ज्यादा खाने लगे हैं. दूसरा, मशीनों और मोटरों ने जीवन आसान बना दिया है. इसलिए भोजन से मिली कैलरी या ऊर्जा पूरी तरह खर्च नहीं हो पाती. तीसरा, भोजन में प्रसंस्कृत पदार्थों और रसायनों की मात्रा बढ़ गयी है. चौथा, हमने उपवास रखना और खाने के बीच अंतराल रखना बंद कर दिया है और हम नियमित रूप से व्यायाम नहीं करते. चौथा कारण ही इस बीमारी का सबसे अचूक और आसान इलाज भी है. तमाम शोध उन्हीं बातों को प्रमाणित कर रहे हैं, जो भारत के वैद्य ढाई हजार साल पहले आयुर्वेद ग्रंथों में लिख गये हैं. नियमित उपवास से हमारे पाचन तंत्र में मुस्तैदी आती है और इंसुलिन का स्तर नियंत्रण में रहता है, इसलिए मधुमेह नहीं होता. सबसे बड़ी बात यह है कि हमारी कोशिकाएं अपनी सफाई और कचरे को रिसाइकल करने लगती हैं. इसे स्वपाचन कहते हैं. इससे कैंसर नहीं होता और बुढ़ापे की रफ्तार धीमी पड़ती है. दिमाग में नयी कोशिकाएं और नये संपर्क जाल बनने से भूलने की बीमारी और पार्किन्संस जैसी बीमारियों की संभावना कम हो जाती है।

आज का राशिफल

मेष :– भावना से उद्वेलित आपका मन निकट संबंधों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश मन में सगे–संबंधियों के प्रति नकारात्मकता न पाले। भविष्य संबंधी चिंताएं मन में नकारात्नक विचार ला सकती हैं।

बृषभ :– भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओं द्वारा महत्वपूर्ण कायरे को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :– भावनाओं पर नियंतणरख दायित्वों के प्रति सजग हों। उच्छृंखलता एवं ब्यग्रता महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में समुचित परिणाम का लाभ प्राप्त होगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक–सुख साधन हेतु व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :– किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम हेतु प्रेरित करेंगी। घर में खुशहाली रहेगी।

कन्या :– नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। आवेश एवं उच्छृंखलता पर नियंतणरखें।

तुला :– कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन–सत्ता के क्षेत्र में लाभकारी अवसर मिलेंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की कुशल पूर्ति हेतु समुचित साधन–व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा।

वृश्चिक :– किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां मन में आर्थिक सुदृढ़ता हेतु उद्वेलित करेंगी। भावना प्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनु :– रोजगार में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। लाभकारी संबंधों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल भौतिक इच्छाएं उद्वेलित करेंगी।

मकर :– सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों की मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों के लिए लाभकारी अवसर मिलेंगे। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

मीन :– पिता के सहयोग से कठिन स्थिति में राहत मिलेगी।

बुनियादी संरचना का खौफ

भरत झुनझुनवाला

लेकिन अंत में आम आदमी पर फुट ओवर ब्रिज का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि उच्च वर्ग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसका उपाय यह है कि फुट ओवर ब्रिज के साथ स्वचालित एस्केलेटर लगाया जाए जिससे कि आम आदमी के समय की बर्बादी न हो और एस्केलेटर चलाने का खर्च नीचे दौड़ने वाली कार से वसूल किया जाए।दूसरा उदाहरण हाईवे का लें। हाईवे पर गाड़ी बिना व्यवधान के दौड़ सके इसलिए दोनों तरफ तार लगा दिए जाते हैं। हाईवे के एक तरफ रहने वाले को हाईवे के दूसरी तरफ अपनी जमीन तक पहुंचने के लिए अब 5 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है क्योंकि ट्रैक्टर को हाईवे पार कराना अब संभव नहीं रह गया है। इसलिए हाईवे से किसान की लागत बढ़ जाती है।

मेरे समेत तमाम अर्थशास्त्रियों का मानना रहा है कि देश के आर्थिक विकास के लिए हमें बुनियादी संरचना को सही करना होगा जैसे हाईवे, विद्युत, इंटरनेट इत्यादि को। सड़क सही नहीं होती है तो व्यापार नहीं पनपता है। अध्ययनों में पाया गया है कि ग्राम विकास के लिए सबसे अधिक प्रभावी निवेश पक्की सड़क में होता है। सड़क उपलब्ध हो जाने से गांव के लोग अपने माल को आसानी से शहर तक ले जाकर बेच सकते हैं और गांव का विकास होने लगता है। वर्तमान एनडीए सरकार ने बुनियादी संरचना में निवेश में भारी प्रगति की है विशेषकर हाईवे और जलमार्ग में। सरकार के पूंजी निवेश में बुनियादी संरचना प्रमुख हिस्सा होता है। पिछले वर्ष 2020–21 में केंद्र सरकार ने 4.39 लाख करोड़ रुपए का पूंजी निवेश किया था जो वर्तमान वर्ष 2021–22 में 5.54 लाख करोड़ होने का अनुमान है। इसमें 29 प्रतिशत की भारी वृद्धि की गई है। फिर प्रश्न उठता है कि बुनियादी संरचना में इतने निवेश के बावजूद एनडीए सरकार के ही पिछले 6 वर्षों में हमारी आर्थिक विकास दर लगातार गिर क्यों रही है? इसका कारण संभवतरू यह है कि हम गलत बुनियादी संरचना में निवेश कर रहे हैं जैसे मरीज को दवा देना जरूरी होता है लेकिन गलत दवा देने से नुकसान हो जाता है। यह बात मैं आपके सामने कुछ उदाहरणों से रखना चाहता हूं। पहला उदाहरण शहर में फुट ओवर ब्रिज का लें। चौराहे पर पैदल यात्रियों के लिए फुट ओवर ब्रिज बना दिया जाता है। इससे आम आदमी को सड़क पार करने में समय अधिक लगता है। ऊपर चढ़ने और उतरने में उसकी ऊर्जा वय होती है जबकि नीचे कार के सरपट भागने और लाल बत्ती के हटाए जाने से उच्च वर्ग को आसानी होती है। वह अपने गंतव्य स्थान पर शीघ्र पहुंच सकते हैं। हां, आम आदमी के जीवन की रक्षा होती है और उच्च वर्ग को दुर्घटना से बचने में मदद भी मिलती है। लेकिन अंत में आम आदमी पर फुट

ओवर ब्रिज का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि उच्च वर्ग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसका उपाय यह है कि फुट ओवर ब्रिज के साथ स्वचालित एस्केलेटर लगाया जाए जिससे कि आम आदमी के समय की बर्बादी न हो और एस्केलेटर चलाने का खर्च नीचे दौड़ने वाली कार से वसूल किया जाए।दूसरा उदाहरण हाईवे का लें। हाईवे पर गाड़ी बिना व्यवधान के दौड़ सके इसलिए दोनों तरफ तार लगा दिए जाते हैं। हाईवे के एक तरफ रहने वाले को हाईवे के दूसरी तरफ अपनी जमीन तक पहुंचने के लिए अब 5 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है क्योंकि ट्रैक्टर को हाईवे पार कराना अब संभव नहीं रह गया है। इसलिए हाईवे से किसान की लागत बढ़ जाती है। इसके विपरीत हाईवे पर चलने वाले ट्रक को सुविधा होती है। ट्रक पर ढोए जाने वाले माल का ढुलाई खर्च कम हो जाता है। लेकिन ट्रक पर ढुलाई किये जाने वाले माल की खपत मेरे अनुमान से 80 प्रतिशत उच्च वर्ग द्वारा ही की जाती है। साथ–साथ हाईवे बनाने में जो सीमेंट, स्टील और मशीन का उपयोग किया जाता है वह भी बड़ी कंपनियां ही सप्लाई करती हैं। हाईवे का अंतिम परिणाम आम आदमी पर नकारात्मक पड़ता है। इतना अवश्य है कि उसके द्वारा भी बाजार से खरीदी जाने वाली वस्तुओं के दाम में गिरावट आती है। लेकिन बाजार से आम आदमी माल कम खरीदता है और उच्च वर्ग ज्यादा। इसलिए उच्च वर्ग को विशेष लाभ होता है। इसका उपाय यह है कि हाईवे बनाने के साथ–साथ ग्रामीण सड़कों पर भी भारी निवेश किया जाए जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रों एवं कस्बों में आम आदमी के लिए भी कार्य करना लाभप्रद हो जाए। हाईवे बनाने से उसका जो उसे नुकसान होता है उसकी भरपाई कस्बे की अच्छी सड़क से हो जाए। तीसरा उदाहरण जलमार्ग का लीजिए। जलमार्ग बनाने से नदी पर बड़े जहाज चलने लगते हैं और मछुआरों का धंधा समाप्तप्राय हो जाता है। छोटे नाविक का धंधा भी कमजोर पड़ जाता है। इसके विपरीत जल मार्ग से कोयले आदि माल की ढुलाई की लागत कम हो जाती है। कोयले से उत्पादित बिजली की भी लागत कम हो जाती है। लेकिन उस बिजली की खपत भी एल्युमिनियम जैसे उद्योगों और बड़े शहरों में एयर कंडीशनर इत्यादि उपकरणों को चलाने में अधिक होता है। इस प्रकार जलमार्ग का मछुआरों और नाविक पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है जबकि उच्च वर्ग को सस्ती बिजली और सस्ते माल की उपलब्धि होने से लाभ होता है। इसका विकल्प यह है कि जलमार्ग के स्थान पर रेल मार्ग से ढुलाई की जाए जिससे आम आदमी पर दुष्प्रभाव कम पड़े। चौथा उदाहरण खनिज के खदान का लें। आज तमाम खनिज हमारे जंगलों के नीचे दबे पड़े हैं। इन्हें निकालने के लिए उनके ऊपर के जंगलों को काटा जाता है। इससे स्थानीय लोगों को महुए के फूल, चिरौंजी के दाने, तेंदू पत्ता, पशुओं का चारा इत्यादि सभी नष्ट हो जाते हैं। आम आदमी की आय में गिरावट आती है। खदान से जो खनिज निकाले जाते हैं लोहा, एल्युमिनियम अथवा तांबा इत्यादि जो माल बनाया जाता है उसकी खपत भी उच्च वर्ग ही ज्यादा करते हैं। अंतिम परिणाम आम आदमी के लिए नकारात्मक और उच्च वर्ग के लिए सकारात्मक होता है। इसका उपाय यह है कि जंगल काटने से पहले आम आदमी को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए और खदान करने के बाद उस भूमि पर पुनरू जंगल को लगाया जाए। तब आम आदमी पर महुए, चिरौंजी, तेंदू पत्ता इत्यादि के समाप्त होने से पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव की भरपाई हो जाएगी। पांचवा उदाहरण 5 प्रतिशत इंटरनेट का लें। आम आदमी के लिए 4 प्रतिशत पर्याप्त है। उसके बच्चे को ऑनलाइन क्लास में सम्मिलित होना होता है अथवा उसे बगल के शहर में फसल के मूल्य की जानकारी की जरूरत होती है। लेकिन 5 प्रतिशत इंटरनेट से भारी मात्रा में सूचना का आदान–प्रदान आसान हो जाता है। जैसे डाटा एनालिसिस करने वालों का कार्य सुलभ हो जाता है। अतरू 5 प्रतिशत इंटरनेट से उच्च वर्ग को अधिक लाभ होता है। इसका विकल्प यह है कि 5प्रतिशत के साथ–साथ 4 प्रतिशत इंटरनेट की सुविधा को सबको उपलब्ध कराई जाए और आम आदमी को मुफ्त वाईफाई उपलब्ध कराया जाए। मात्र बुनियादी संरचना में निवेश करना पर्याप्त नहीं होता है जिस प्रकार केवल दवा देना से रोगी के उपचार के लिए पर्याप्त नहीं होता है। सही संरचना बनानी होगी और सही दवा देनी होगी। इसलिए सरकार को चाहिए कि बुनियादी संरचना के खौफ से बचे। उच्च वर्गीय बुनियादी संरचना में निवेश करने से देश की आर्थिक विकास दर लगातार गिर रही है। बुनियादी संरचना में निवेश की दिशा में परिवर्तन करना होगा।

धर्मनिरपेक्ष ताकतों की संयुक्त कार्रवाई समय की मांग

डी राजा

15 अगस्त के दिन, सात दशक से भी अधिक समय पहले, 1947 में, हमारे देश ने नियति के साथ अपने प्रयास की शुरुआत की थी। हमारे द्वारा प्राप्त राजनीतिक स्वतंत्रता हमारे देश के लोगों द्वारा दशकों के संघर्ष का परिणाम है। ब्रिटिश शासन की शोषक प्रकृति को स्वीकार करते हुए, हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों ने संगठित मंचों या राजनीतिक दलों के अस्तित्व में आने से बहुत पहले ही औपनिवेशिक आकाओं द्वारा शोषण का विरोध करना शुरू कर दिया था। लोगों ने कई बार अपने मूल सहयोगियों के साथ–साथ ब्रिटिश सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी। लोगों की सामूहिक स्मृति पर एक अमिट छाप छोड़ते हुए इन स्वतरूस्फूर्त विद्रोहों को बेरहमी से दबा दिया गया। इस काल के संघर्ष बहुआयामी थे। कोई एकवचन विधि नहीं थी और न ही एक सार्वभौमिक मांग थी। अगर कुछ समान था, तो वह स्वतंत्रता की चाहत थी। लेकिन इस आजादी का मतलब हमारे समाज के विभिन्न वर्गों के लिए अलग–अलग चीजें थीं। महिलाओं के लिए यह स्वतंत्रता, स्वाभिमान और सभी प्रकार की पितृसत्तात्मक अधीनता से मुक्ति थी। दलितों और शूद्रों के लिए, स्वतंत्रता का अर्थ मनुवादी ब्राह्मणवादी आधिपत्य के हजारों वर्षों के शोषण और यातना से मुक्ति है। आदिवासी समुदायों के लिए यह वन भूमि पर दावा करने की स्वतंत्रता और क्रूर वन ठेकेदारों से स्वतंत्रता थी। विकास के नाम पर लगातार विस्थापन के भय से मुक्ति। अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों के लिए, यह बहुसंख्यक सांप्रदायिकता से अधीनता के भय से मुक्ति और उनके विश्वास का अभ्यास करने का अधिकार था। स्पष्ट समझ की एक अंतर्निहित धारा थी कि औपनिवेशिक शासन मूल रूप से शोषक था, देश को लगातार सूखा रहा था और इसके सभी संसाधनों को सुखा रहा था। 20वीं सदी के शुरुआती दशकों में, जब मुक्ति का आंदोलन समुदायों को करीब ला रहा था, हमने देखा कि मोहम्मद अली जिन्ना देशद्रोह के मामले में तिलक के बचाव में खड़े थे और भगत सिंह सांप्रदायिकता, हिंदू बहुसंख्यकवाद या हिंदुत्व के खिलाफ जोरदार बहस कर रहे थे। लोगों ने देखा कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर महिलाओं की मुक्ति सहित जाति आधारित शोषण से मुक्ति के लिए और जमींदारों द्वारा सामंती आर्थिक शोषण के खिलाफ अपना संघर्ष करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। डॉ. अम्बेडकर ने कोंकण और अन्य क्षेत्रों में सामंतवाद–विरोधी संघर्षों का नेतृत्व किया, जो इतने समावेशी थे कि उच्च जातियों के शोषितों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और जब संघर्षों के सफल परिणाम सामने आए तो वे लाभार्थी थे। मोहनदास करमचंद गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व में जन संघर्षों और उभरते हुए कम्युनिस्ट आंदोलन और अन्य कट्टरपंथी क्रांतिकारी संगठनों और कार्यकर्ताओं के नेतृत्व वाले उग्रवादी वर्ग संघर्षों के अलावा 75 साल पहले स्वतंत्रता में योगदान देने वाले इन सभी संघर्षों को समग्र रूप से देखा जाना चाहिए। ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता को स्वतंत्रता सेनानियों ने न केवल ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता के रूप में समझा, बल्कि उन सभी प्रकार के शोषण और उत्पीड़न से मुक्ति के रूप में भी समझा जो भारत के लिए स्वदेशी सामाजिक संरचनाओं के भीतर गहरे थे। कुछ भी प्रगतिशील, कुछ भी लोकतांत्रिक, कुछ भी धर्मनिरपेक्ष और पितृसत्तात्मक मनुवादी सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ कुछ भी भीतर से लगातार प्रतिरोध था। यह प्रतिरोध समाज के रूढ़िवादी और रूढ़िवादी वर्गों से आया था, जो औपनिवेशिक भारत में नए उभरते संपन्न लोगों द्वारा शामिल हुए जमींदारों, सामंती रियासतों या रियासतों जैसे सत्ता के संगठित संस्थानों के साथ गठबंधन में थे। वे सभी जो दूर से प्रगतिशील, लोकतांत्रिक और समावेशी किसी भी आंदोलन के खिलाफ थे, उनमें एक बात समान थी– ब्रिटिश आकाओं के प्रति उनकी वफादारी। 1925 में अस्तित्व में आए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या आरएसएस ने इन सभी प्रतिक्रियावादी, सांप्रदायिक, मनुवादी ताकतों को बड़े पैमाने पर मजबूत किया है। आरएसएस को उस समय का सबसे बड़ा ब्रिटिश समर्थक और जनविरोधी समूह माना जा सकता है। संविधान सभा में बहस के दौरान अलग–अलग मौकों पर अलग–अलग रूपों में लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमले किए गए। भारत को हिंदू राज्य घोषित करने के लिए हिंदुत्ववादी ताकतों का लगातार दबाव था। समर्थन में आयरलैंड और अन्य देशों के उदाहरणों का लगातार हवाला दिया गया। इन सबके खिलाफ डॉक्टर अम्बेडकर चट्टान की तरह खड़े रहे। डॉ अम्बेडकर ने धर्मतंत्र को जोरदार रूप से खारिज कर दिया और चेतावनी दी कि, यदि हिंदू राष्ट्र एक वास्तविकता बन जाता है तो यह राष्ट्र के लिए आपदा होगी। स्वतंत्रता के बाद प्रतिक्रिया की ताकतों के खिलाफ भारतीय लोगों का संघर्ष और तेज हो गया। महात्मा गांधी की हत्या नाथूराम गोडसे ने की थी, जिनके आरएसएस और हिंदू महासभा के साथ संबंध अच्छी तरह से स्थापित थे। गांधी की हत्या धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर समेकित और संगठित हमले की शुरुआत है। डॉ अम्बेडकर जो धर्मनिरपेक्षता के कट्टर अनुयायी थे, उन्होंने हमारे संविधान को इस तरह से बनाया कि समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा हो सके। प्रस्तावना से ही शुरू होकर हमारे स्वतंत्रता संग्राम के मूल्य संविधान के सभी भागों में निहित थे और हमें स्वतंत्रता आंदोलन की भावना के विपरीत मनमानी राज्य कार्रवाई से बचाने के लिए मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत मिले और हमारे विधायिकाओं को गैर–भेदभावपूर्ण नींव के साथ कल्याणकारी मोड़ की दिशा में मार्गदर्शन करने के लिए संविधान यह अनिवार्य बनाता है कि भारतीय राज्य एक रहना चाहिए धर्मनिरपेक्ष और कल्याणकारी राज्य। डॉ अम्बेडकर के सक्षम नेतृत्व ने संविधान सभा की जटिल, जटिल कभी–कभी गरमागरम बहसों और समय पर एक संविधान बनाने के लिए एक लंबा सफर तय किया था और साथ ही अंतिम परिणाम को दशकों के पोषित लक्ष्यों से ज्यादा विचलित नहीं होने दिया था। स्वतंत्रता संग्राम जो लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामंतवाद विरोधी और समतावाद है। उन्होंने सामाजिक न्याय और समाजवाद के साथ समावेश की तर्ज पर हमारे देश को विकसित करने के लिए एक मार्ग की रूपरेखा तैयार की। यह कोई मामूली उपलब्धि नहीं थी। इस विलक्षण उपलब्धि का श्रेय डॉ अम्बेडकर और उनकी टीम को जाता है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि 15 अगस्त, 1947 को केवल प्रत्यक्ष ब्रिटिश शासन के तहत क्षेत्रों को प्रशासित करने की शक्ति हस्तांतरित की गई थी। देशी शासकों के अधीन देश के महत्वपूर्ण हिस्से पांच सौ से अधिक थे और इसमें निजाम के अधीन हैदराबाद और डोगरा शासक हरि सिंह के अधीन कश्मीर जैसे काफी बड़े और विवादास्पद लोग शामिल थे। 1947 से 1950 तक, हमारे राष्ट्र के संस्थापक नेताओं को एक संविधान को आकार देने के अलावा इन सभी को एक देश में लाने के दोहरे कार्यों में व्यस्त थे। भारत की संविधान सभा प्रांतीय विधायिकाओं द्वारा चुनी गई थी और तत्कालीन गुप्त और बड़े पैमाने पर भूमिगत कम्युनिस्ट पार्टी को इसमें बहुत कम प्रतिनिधित्व मिला था। हालांकि, कम्युनिस्टों ने उन्हें बाहर के उग्र जन संघर्षों के माध्यम से संविधान सभा के एजेंडे को सुना और आकार दिया। जैसा कि सरदार पटेल ने स्वयं एक बार बंबई के प्रसिद्ध वकील चारी से टिप्पणी की थी कि कम्युनिस्टों के नेतृत्व और संगठित उग्रवादी जन संघर्षों ने भारतीय संघ में प्रवेश को स्वीकार करने के अलावा राजकुमारों, राजाओं या नवाबों के लिए कोई विकल्प नहीं छोड़ा था। भारतीय राष्ट्र राज्य के विकास और एकीकरण में कम्युनिस्ट आंदोलन के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्वतंत्रता संग्राम की मांगों को आकार देने में कम्युनिस्ट भी सबसे आगे थे और भारतीय लोगों के लिए उनके महत्वाकांक्षी एजेंडे ने स्वतंत्रता आंदोलन के क्षितिज का काफी विस्तार किया। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि कम्युनिस्टों ने सबसे पहले अंग्रेजों से पूर्ण स्वतंत्रता की मांग उठाई, जिसने संघर्ष के पूरे एजेंडे को कट्टरपंथी बना दिया। कानपुर में प्रथम भाकपा सम्मेलन की स्वागत समिति के अध्यक्ष हसरत मोहानी ने सबसे पहले कांग्रेस के एक अधिवेशन में पूर्ण स्वतंत्रता की मांग उठाई।

अरबाज खान की गर्लफ्रेंड जॉर्जिया ने दिखाया कमर पर बना टैटू

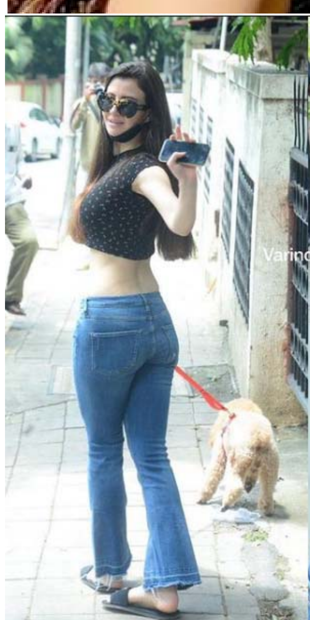

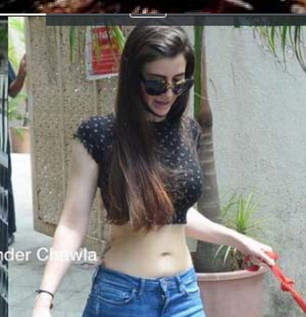

हिंदी सिनेमा में धीरे–धीरे अपनी जगह बना रहीं जॉर्जिया एंड्रियानी अपनी बोल्डनेस के जरिए सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। वहीं, जॉर्जिया पैपराजी के फेवरेट सेलेब्रिटीज में शामिल हैं। यही कारण है कि वो जहां भी जाती हैं, कैमरे उनके पीछे नजर आ जाते हैं।

हाल ही में पैप्स ने जॉर्जिया को कुछ इस अंदाज में स्पॉट किया कि उनके टैटू को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चाएं शुरू हो गईं। जॉर्जिया की लेटेस्ट फोटोज सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ वायरल होती दिखाई दीं। टैटू वाली फोटोज दरअसल, हाल ही में जॉर्जिया अपने डॉगी के साथ सैर पर निकली थीं। इस दौरान पैप्स ने उन्हें ब्लैक क्रॉप टॉप और ब्लू जींस में स्पॉट किया। इस आउटफिट में जॉर्जिया बेहद स्टाइलिश और खूबसूरत दिख रही थीं। वहीं, उनके कमर पर बने टैटू ने सभी का ध्यान खींचा। जॉर्जिया के इस टैटू में अंग्रेजी का अक्षर स- बना नजर आया और इसके आस–पास फूल बने दिखाई दिए। यहां देखें चर्चा में आ गया जॉर्जिया का टैटू– फैंस को पसंद आया अंदाज जॉर्जिया की ये लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। कोई जॉर्जिया से इस टैटू का मीनिंग पूछ रहा है तो कोई उनके स्टाइल पर फिदा होता दिखाई दे रहा है। जॉर्जिया इससे पहले भी अपनी बोल्डनेस को लेकर सुर्खियां बटोर चुकी हैं। वो अपने फैंस के बीच ग्लैमरस फोटोशूट के जरिए चर्चा में बनी रहती हैं।

टाइगर श्रॉफ और दिशा पटानी की पड़ोसन बनीं रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी फिल्मों के साथ–साथ अपने नए घर को लेकर भी चर्चा में हैं। उन्होंने मुंबई के खार इलाके में एक आलीशान घर खरीदा है। इसके बाद वह अभिनेता टाइगर श्रॉफ और दिशा पटानी की पड़ोसी बन गई हैं। रानी का यह घर एक ऐसी जगह पर है, जहां से अरब सागर का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। रानी अब टाइगर श्रॉफ, दिशा पटानी, हार्दिक पांड्या और कुणाल पांड्या की पड़ोसन बन गई हैं। रिपोर्टों के मुताबिक पिछले महीने ही रानी ने अपनी इस प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन कराया था। उनका फ्लैट 43 बीएचके का है, जो 1,485 स्कवायर फीट में फैला हुआ है। उनकी आलीशान प्रॉपर्टी उस इलाके में है, जो अब धीरे–धीरे सेलेब्रिटी हब बनता जा रहा है। रानी का यह फ्लैट 22वीं मंजिल पर है, उनको दो कार पार्क करने की भी सुविधा मिली है। रानी ने जिस बिल्डिंग में घर लिया है, उसमें कार पार्किंग के लिए कई स्लॉट बनाए गए हैं। इसमें एक बड़े जिम की सुविध ाा और रॉक क्लाइम्बिंग की व्यवस्था भी की गई है। रानी के इस फ्लैट की कीमत 7.12 करोड़ रुपये बताई जा रही है। हालांकि, रानी ने अभी खुद इस खबर की पुष्टि नहीं की है। हाल ही में अभिनेत्री दिशा पटानी ने भी खार में एक फ्लैट खरीदा था, जिसकी कीमत 5.9 करोड़ रुपये बताई गई। रानी ने कुछ ही दिन पहले अपनी फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे के लिए विदेश की उड़ान भरी है। एक देश के खिलाफ एक मां के संघर्ष के सफर की इस अनकही कहानी का निर्देशन आशिमा छिब्बर कर रही हैं, जो मेरे डैड की मारुति की निर्देशक थीं। रानी ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। उनकी यह फिल्म सभी माताओं का समर्पित हैं। रानी ने कहा था कि उन्होंने लंबे अरसे के बाद इतनी शानदार कहानी पढ़ी है। रानी फिल्म बंटी और बबली 2 में नजर आएंगी। इस फिल्म में सैफ अली खान के साथ उनकी जोड़ी बनी है। बंटी और बबली में रानी को अभिषेक बच्चन के साथ देखा गया था। रानी फिल्म मर्दानी 3 में नजर आएंगी। इस सीरीज की दोनों पिछली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं, वहीं, दर्शकों को रानी का अवतार भी बेहद पसंद आया है। मर्दानी 2014 में रिलीज हुई थी, वहीं, मर्दानी 2 2019 में दर्शकों के बीच आई।

एकता कपूर की फिल्म फ्रेडी से बाहर नहीं हुए कार्तिक

पिछले काफी समय से यह चर्चा जोरों पर थी कि अभिनेता कार्तिक आर्यन फिल्म फ्रेडी से बाहर हो गए हैं, लेकिन अब खबर आ रही है कि इस फिल्म से उनका पत्ता नहीं कटा है। कार्तिक ही इस फिल्म के लीड हीरो हैं और उन्होंने इसमें अपने किरदार की तैयारी भी शुरू कर दी है। वह जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म को एकता कपूर बना रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कार्तिक की इस फिल्म का निर्देशन शशांक घोष करेंगे, जो फिल्म वीरे दी वेडिंग के निर्देशक रह चुके हैं। पिछले तीन महीने से फिल्म के प्री–प्रोडक्शन का काम चल रहा था। पहले इस फिल्म के निर्देशन की कमान अजय बहल संभालने वाले थे, लेकिन अब यह जिम्मेदारी शशांक घोष को सौंप दी गई है। सुनने में तो यह भी आ रहा था कि फ्रेडी डिब्बाबंद हो गई है, लेकिन यह महज अफवाह साबित हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल इस फिल्म की लीड हीरोइन का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। कहा जा रहा है कि फिल्म की टीम अगस्त के पहले हफ्ते से फ्रेडी की शूटिंग शुरू करने जा रही है। मुंबई में फिल्म की शूटिंग होगी। इसके लिए कई सेट तैयार किए गए हैं। कार्तिक इसके साथ–साथ भूल भुलैया की शूटिंग भी पूरी करेंगे। इसके बाद वह सुपरहिट तेलुगु फिल्म अला वैकुंठपुरमलो के हिंदी रीमेक की शूटिंग में जुट जाएंगे। कार्तिक निर्देशक हंसल मेहता की फिल्म कैप्टन इंडिया में भी काम करने जा रहे हैं। बीते दिनों अपनी इस फिल्म का पोस्टर शेयर कर उन्होंने लिखा था, जब एक आदमी कॉल ऑफ ड्यूटी से आगे बढ़ जाए। बड़े गर्व और सम्मान के साथ हम आपके लिए लाए हैं कैप्टन इंडिया। रॉनी स्क्रूवाला और हरमन बावेजा फिल्म के निर्माता हैं। इसकी कहानी एक युद्ध में घिरे देश से भारत के सबसे बड़े और सबसे सफल बचाव मिशन पर आधारित है। कार्तिक जल्द ही निर्माता साजिद नाडियाडवाला की फिल्म सत्यनारायण की कथा में नजर आएंगे। अनीस बाज्मी की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 2 में कार्तिक अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ दिखाई देंगे। कार्तिक साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म आला वैकुंठापुरामुलू के रीमेक शहजादा में काम कर रहे हैं। इसके अलावा वह धमाका और फिल्म लुका छुपी 2 में अपने अभिनय का जलवा बिखेरते नजर आएंगे। धमाका में कार्तिक एक पत्रकार की भूमिका निभा रहे हैं।

ब्लैक टॉप और व्हाइट शॉर्ट्स में मलाइका अरोड़ा ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी बोल्ड फोटोज अपलोड कर सुर्खियों में बनी रहती हैं। एक बार फिर मलाइका का जिम लुक चर्चा में है, तो आइए आपको दिखाते हैं उनकी ये तस्वीरें।

गीले बालों में सोते हैं तो हो जाए सावधान, गंजेपन के साथ होते हैं ये बड़े नुकसान

मानसून सीजन में अकसर महिलाओं को बाल झड़ने की समस्या रहती हैं। कई बार यह समस्या इतनी बढ़ जाती है कि सिर में गंजापन भी दिखाई देने लगता है, जोकि एक महिला के लिए बेहद गंभीर समस्या है। बता दें कि बाल झड़ना केबले बदलते मौसम से ही नहीं कई बार हमारी गलतियों की वजह से भी हम इस समस्या के शिकार हो जाते हैं। आज हम आपकों इससे संबंधित कुठ टिप्स शेयर करेंगे जिसे फॉलो कर आप बाल झघ्ड़ने की प्रॉब्लम को रोक सकते हैं।

गिले बालों की समस्या

आपकों बता दें कि मौसम के बदलने के अलावा अगर हम गिले बालों को टाई या गीले बालों समेत ही सो जाते हैं तो भी बाल झड़ने की समस्या उत्पन्न होती है। रात को गीले बालों में सोने से आपको बालों से जुड़ी को कई परेशानियां हो सकती हैं। इतना ही नहीं लंबे समय तक ऐसा करने से न सिर्फ बाल झड़कर टूटने लगते हैं बल्कि व्यक्ति गंजा भी हो सकता है। आइए जानते हैं रात को गीले बालों समेत सोने से हमारे बालों को क्या नुकसान है–

गंजापन बढ़ने लगता है

अगर आप गीले बालों में ही सोते है तो स्कैल्प्प की जड़ें कमजोर हो जाती हैं जिससे बाल टूटने लगते हैं। इसके अलावा स्कैल्प्प पर एक प्रकार का फंगल संक्रमण पैदा होता है जिसे दाद भी कहते है। यह दाद हमेशा गर्म और नम स्थितियों के कारण होता है। यह आमतौर एक इंसान से दूसरे इंसान से भी होता है इसलिए तकिया या चादर को हमेशा साफ–सूथरा रखें।

डैंड्रफ की समस्या पैदा होती है–

बाल गिले होने से सिर में नमी और गर्मी दोनों बनी रहती हैं जिससे डैंड्रफ की समस्या पैदा होती है। गीले बालों में सोने से बालों से उसका प्राकृतिक तेल निकल जाता है। जो बाद में ड्रायनेस की वजह बनता है। इसस बालों में डैंड्रफ बनना शुरू हो जातचा है।

बैक्टीरिया पनपते हैं

गीले बालों के साथ सोने से तकिए पर बैक्टीरिया पैदा होने की संभावना बढ़ सकती है। गीले बालों से नमी तकिये में घुस जाती है। जिसके बाद सिर की गर्मी से बैक्टीरिया और मोल्ड को नमी का वातावरण पैदा कर सकती है। इसलिए हमेशा बालों को सुखा कर ही सोएं।

सेहत के लिए हानिकारक

बाल गीले कर अगर आप भी एसी वाले कमरे में सो रहे हैं, तो आपको ठंड लगने के साथ आपकी तबियत भी खराब हो सकती है। इसलिए हमेशा बालों को सुखा कर सोएं।

कैसे टूटे है बाल

गीले बाल होने से स्कैल बहुत कमजोर होते हैं। सोते वक्घ्त हम कई बार करवट भी बदलते हैं, जिसकी वजह से बाल तकिए से रगड़ खाकर आसानी से टूट जाते हैं ऐसे में अगर हम यह नियमित लापरवाही बरतते हैं को बाल झड़ने की समस्या और भी बढ़ सकती हैं।

सजावट से समझाएं बच्चों को तिरंगे का महत्व

भारतीय राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ाने के लिए हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। इस दौरान लोग ना सिर्फ तिरंगे रंगे के कपड़े पहनते हैं बल्कि घर व ऑफिस डेस्क को भी इस खास रंग से सजाते हैं। 15 अगस्त के डेकोरेशन आइडिया में हमेशा तिरंगे थीम वाले सेटअप शामिल होते हैं, जिनमें ज्यादातर केसर, सफेद और हरे रंग शामिल होते हैं।

वहीं, घर की सजावट के जरिए आप लोगों व आने वाली पीढ़ी को झंडे के रंग व उनके महत्व से भी रूबरू करवा सकते हैं। यहीं नहीं, आप घर की सजावट में बच्चों की मदद भी ले सकते हैं, जिससे उन्हें देश का इतिहास जानने में दिलचस्पी पैदा होगी।

अगर आप भी 15 अगस्त पर घर को सजाने का आइडियाज खोज रहे हैं तो परेशान ना हो क्योंकि यहां हम आपको आइडियाज देंगे, जिनसे आप इंस्पिरेशन ले सकते हैं।

अगर आपके घर में मिल्कशेक मग और कुकी जार बेकार पड़े हैं तो वो स्वतंत्रता दिवस की सजावट में आपकी बहुत मदद करने वाले हैं। आप उन्हें तिरंगे रंगों में रंग सकते हैं।

बटरफ्लाई, पतंगों या प्यारे झंडों के आकार में छोटे छोटे तिरंगे के बुकमार्क बनाकर वॉल डैकोरेशन के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

पौधें के जरिए घर की सजावट और पर्यावरण बचाने की ओर आपकी पहल... हैं ना ये कमाल का आइडिया।

बच्चों की स्टडी टेबल को डैकोरेट करने के लिए आप तिरंगा लगा सकते हैं।

छतरियां स्वतंत्रता दिवस की भावना के साथ घरध्ऑफिस को सजाने का एक मॉर्डन तरीका हैं। आप इन्हें किसी भी रिटेल स्टोर से खरीद सकते हैं और तिरंगे रंगों में रंग सकते हैं।

तिरंगे गुब्बारों से स्वतंत्रता दिवस की सजावट करने का आइडिया भी बेस्ट ऑप्शन है।

तिरंगे सलाद और नैपकिन का आइडिया भी आपकी सेलिब्रेशन डैकोरेशन के लिए बेस्ट है।

स्वतंत्रता दिवस के लिए क्यूबिकल सजावट से आप घर में देशभक्ति की भावना ला सकते हैं।

बेडरूम की सजावट के लिए आप नारंगी, सफेद और हरे रंग में मुलायम पर्दों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बदलते मौसम में भी स्किन को ग्लोइंग रखता है करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन सं संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

जानिए करेले के गुण

करेले में विटामिन–सी, आयरन, बीटा–केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं।

इसमें एंटीऑक्घ्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में–

1. खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

2. अंडे–दही से ऐसे बनाए करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्घकिन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है।इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें। जिससे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोंइंग लगेगी।

3. नीम हल्दी से ऐसे बनाए करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

व्रत में क्यों खाते हैं कुट्टू का आटा? जानिए इसके बेमिसाल फायदे

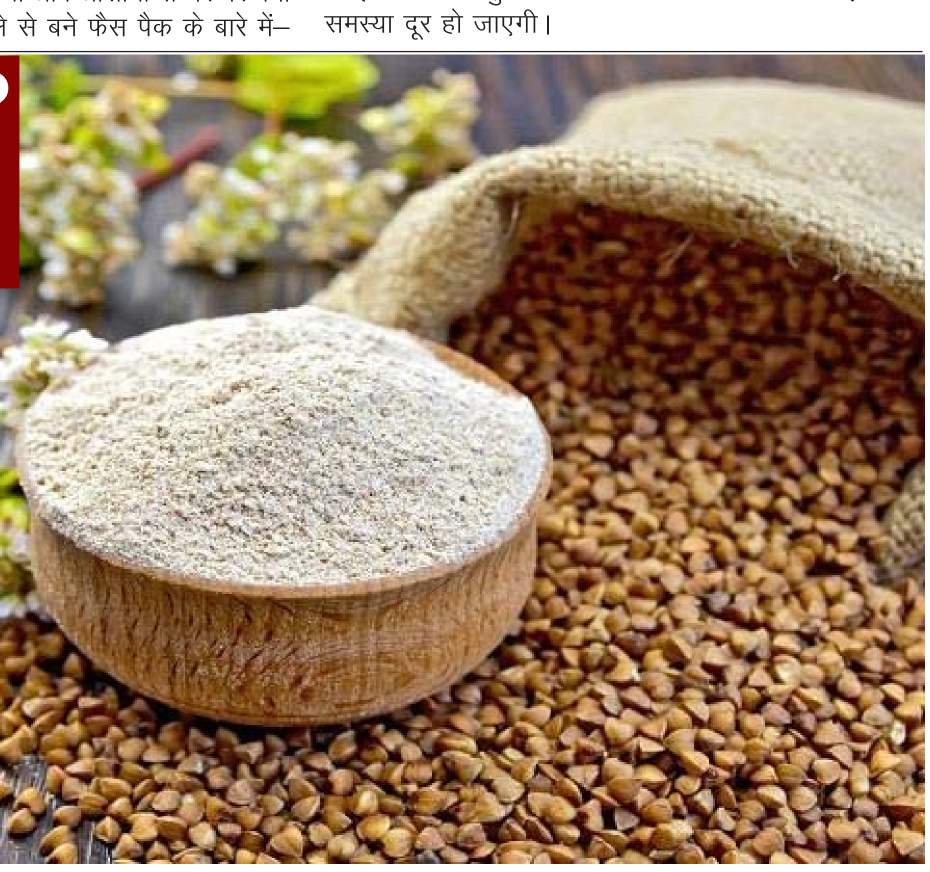

सावन का पवित्र मास चल रहा है। इस दौरान लोग शिव भक्ति करने के साथ व्रत भी रखते हैं। ये व्रत फलाहारी व्रत रखे जाते हैं। ऐसे में इस दौरान लोग कुट्टू के आटे से बने पकवान खाते हैं। माना जाता है कि यह आटा अनाज के साथ संबंध नहीं रखता है। ऐसे में इसे खासतौर पर व्रत में खाया जाता है। वहीं दूसरी ओर यह पोषक तत्वों से भरपूर होने से सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसे खाने से डायबिटीज व ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। ऐसे में बेहतर तरीके से शारीरिक विकास होता है। चलिए आज हम आपको इस आर्टिकल में कुट्टू का आटा खाने के कुछ लाजवाब फायदे बताते हैं...

कुट्टू आटे में मौजूद पोषक तत्व

इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, मैग्नीशियम, विटामिन–बी, फॉलेट, जिंक, कॉपर, मैग्नीज, फासफोरस आदि पोषक तत्व होते हैं।

–डायबिटीज कंट्रोल रखे

कुट्टू के आटे में फाइबर अधिक मात्रा में होता है। इसके साथ ही इसमें एंटी–डायबिटिक गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से खासतौर पर टाइप 2 डायबिटीज कंट्रोल रहने में मदद मिलती है।

– पित्त की पथरी की रोकथाम

कुट्टू में मौजूद प्रोटीन पित्त में मौजूद पथरी के गठन और कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में मदद करती है। इसके सेवन से शरीर में फाइल एसिड का निर्माण होने में मदद मिलती है। इसके कारण पित्त पित्त की पथरी से छुटकारा पाया जा सकता है।

– ब्लड प्रेशर करे कंट्रोल

आज के समय में ज्यादातर लोग ब्लड की परेशानी से जूझ रहे हैं। ऐसे में ब्लड प्रेशर के मरीजों को कूट्टू के आटे का सेवन करना फायदेमंद माना गया है। इसमें मैग्नीशियम अधिक मात्रा में होता है। यह रक्तवाहिकाओं को आराम पहुंचाता है। इसतरह ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहने में मदद मिलती है।

– दिल रखे स्वस्थ

इसमें मौजूद विटामिन बी, बी6, नियासिन, फोलेट आदि उचित है तत्व शरीर में कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करते हैं। इसमें नियासिन तत्व के कारण एचडीएल कोलेस्ट्रॉल यानी अच्छे कोलेस्ट्रॉल लेवल में सुधार आता है। इसतरह रक्त वाहिकाओं को बेहतर तरीके से काम करने की शक्ति मिलती है। ऐसे में शरीर से खराब कोलस्ट्रॉल कम होता है। इससे दिल स्वस्थ रहने व इस संबंधी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहता है।

– वजन घटाए

इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में ओवर ईटिंग की परेशानी से बचाव रहने से वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इससे कमजोरी, थकान दूर होकर दिनभर शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

– हड्डियों में मजबूती जगाए

कुट्टू के आटे में कैल्शियम, प्रोटीन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, पोटैशियम आदि तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। इसका सेवन करने से हड्डियों और दांतों को मजबूती आती है। ऐसे में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को इसका सेवन करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों पर बाढ़ की मार

आशियाना छोड़ने को मजबूर बुंदेलखंड में स्थिति विकट,पूर्वांचल में भी हालात ठीक नहीं

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में बाढ़ के हालात दिनों–दिन गंभीर होते जा रहे हैं। सीएम, डिप्टी सीएम और जल शक्ति मंत्री हवाई सर्वेक्षण कर रहे हैं। कई जगहों का दौरा कर भी चुके हैं। सीएम योगी ने गाजीपुर में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री बांटी और जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बैठक भी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र बनारस में भी स्थिति चिंताजनक है। प्रधानमंत्री संवेदनशील हैं, उन्होंने क्षेत्र का हाल जाना और इमदाद का भरोसा दिलाया। हैरान करने वाली बात यह है कि प्रदेश के 5 सबसे ज्यादा बाढ़ प्रभावित जिलों में तीन बुंदेलखंड के हैं। पूर्वांचल और तराई के जिलों में हर साल बाढ़ आती है और हाहाकार मचता है। इस बार तो बुंदेलखंड के जिलों में बाढ़ से विकट स्थिति पैदा हो गई हैं। जालौन, बांदा और हमीरपुर के दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में है। राहत विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश के 23 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इन 23 जिलों के 1000 से ज्यादा गांव में रहने वाली 5 लाख से ज्यादा आबादी बाढ़ से सीधे प्रभावित हुई है। सबसे ज्यादा असर मिर्जापुर में देखने को मिला है, जहां के 404 गांवों में पानी भरा है. इसके अलावा प्रयागराज में 169, जालौन में 114, बांदा में 79 और हमीरपुर के 76 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। गाजीपुर में खतरे के निशान के ऊपर बह रही गंगा नदी। गंगा 64.680 मीटर के जलस्तर पर पहुंची। जनपद में 63.105 मीटर पर है खतरा बिंदु,आधा सेमी प्रति घण्टे की रफ्तार से बढ़ रहीं गंगा। ग्रामीण के साथ शहरी इलाकों में पानी घुस गया है। तमाम लोगों को अपने आशियाना छोड़ अन्यत्र ठिकाना ढूढ़ना पड़ गया है। सबसे ज्यादा दिक्कत मवेशियों को हो गयी है, क्योंकि इनके लिए चारे की समस्या पैदा हो गई है। ऐसी स्थिति के पीछे कारण है कि प्रदेश की ज्यादातर नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। गंगा नदी बदायूं, प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, गाजीपुर और बलिया में खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। इसके अलावा यमुना बांदा और प्रयागराज में खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। शारदा नदी लखीमपुर खीरी में खतरे के निशान के ऊपर बह रही है जबकि घाघरा बलिया में खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। प्रदेश के 9 जिलों–इटावा, जालौन, बहराइच, श्रावस्ती, सिद्धार्थ नगर, गोरखपुर, लखनऊ, बलिया और वाराणसी में तो एनडीआरएफ की टीमों को लगाया गया है। शेष प्रभावित जनपदों में एसडीआरएफ और पीएसी के जवान लोगों को राहत पहुंचाने का काम कर रहे हैं। बाढ़ से प्रभावित जिलों में लोगों को राहत पहुंचाने के लिए राहत विभाग ने 950 बाढ़ शरणालय बनाए हैं। लोगों को भोजन के किट और लंच पैकेट बांटे जा रहे हैं। नेपाल से आने वाले पानी ने हर वर्ष की तरह इस बार भी पुनरावृत्ति की है।नेपाल और उत्तराखंड से बहकर आने वाली नदियों के कारण पूर्वांचल और तराई के जिलों में बाढ़ के हालात पैदा हुए हैं। दूसरी ओर मध्य प्रदेश से होकर आने वाली नदियों के बढ़े जल स्तर के कारण बुंदेलखंड और पूर्वांचल मेंस्थिति खराब हुई हैं। बुंदेलखंड से होकर आने वाली लगभग सभी नदियां यमुना में मिलती हैं। इससे यमुना में पानी का स्तर बहुत बढ़ गया है। प्रयागराज में यमुना गंगा से मिलती है इसीलिए प्रयागराज से लेकर बिहार की सीमा तक के जिलों में गंगा का पानी गांव में घुस रहा है। पिछले 24 से 48 घंटों में प्रदेश में बहुत ज्यादा बारिश नहीं हुई है। ऐसी ही स्थिति रही तो संभावना जताई जा रही है कि बाढ़ का पानी धीरे–धीरे उतरने लगेगा। 24 घंटे में बाढ़ ग्रस्त जिलों में गोरखपुर में सबसे ज्यादा 36.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बलिया और बहराइच में 9 मिली मीटर बारिश दर्ज की गई। अयोध्या में 4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राप्ती नदी के तांडव से कई इलाके जलमग्न हो गये। ललिया हरिहरगंज मार्ग नदी में तब्दील हुआ।बाढ़ के बहाव में बाइक सवार दो युवक बहे। ग्रामीणों की मदद से युवकों को सुरक्षित निकाला।

नूतन ठाकुर ने तोड़ा स्टैण्डर्ड कोविड प्रोटोकॉल एक्टिविस्ट उर्वशी शर्मा ने सीएम को भेजी शिकायत

लखनऊ,(यूएनएस)। दो गज दूरी, मास्क है जरूरी". एक ऐसा सूत्र वाक्य जिसका पालन कराने के लिए देश के प्रधानमंत्री मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री दिन–रात एक किये हुए हैं. ऐसा करना जरूरी भी है. अब यूपी की राजधानी लखनऊ से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें जबरिया रिटायर्ड आईपीएस अमिताभ ठाकुर की पत्नी नूतन ठाकुर स्टैण्डर्ड कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करती नजर आ रही हैं. राजधानी लखनऊ की एक्टिविस्ट उर्वशी ने प्रोग्राम के फोटो के प्रमाण के साथ सूबे के सीएम योगी आदित्यनाथ को शिकायत भेजी है और नूतन के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। घटना बीती 10 अगस्त की है जिसमें नूतन ठाकुर पत्नी अमिताभ ठाकुर निवासी 5 बटा 426, विराम खंड, गोमतीनगर, लखनऊ ने लखनऊ के गोमतीनगर स्थित होटल रेनेसां में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शिरकत करते समय स्टैण्डर्ड कोविड प्रोटोकॉल, कोरोना गाइडलाइन और "दो गज दूरी, मास्क है जरूरी" सूत्र वाक्य का खुला उल्लंघन किया है। देखना दिलचस्प होगा कि सत्ता में राजनैतिक मुकाम पाने के लिए विपक्षी राजनैतिक दलों के इशारों पर बीजेपी को घेरने के लिए खोज–खोज कर मुद्दे बनाने वाले अमिताभ ठाकुर का अपनी पत्नी के इस कृत्य पर क्या रुख रहेगा? क्या अमिताभ ठाकुर इस मामले में "ना काहू से दोस्ती, ना काहू से वैर" वाली बात को चरितार्थ करते हुए अपनी पत्नी के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे या "भाई–भतीजाबाद" की कार्यसंस्कृति को पुष्ट करते हुए नूतन को कांग्रेस पार्टी से भीतरखाने नजदीकी बढाने के अपने एजेंडे के क्रम में नूतन द्वारा सार्वजनिक आयोजन में किये गए।

बीएड प्रवेश परीक्षा काउंसलिंग की तैयारी शुरू

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा–2021 में सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग कराने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएड प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया था। प्रवेश परीक्षा 6 अगस्त को हो चुकी है, अब परिणाम और काउंसलिंग की प्रक्रिया बाकी है। बीएड प्रवेश परीक्षा की राज्य समन्वयक डा. अमिता बाजपेई के अनुसार जिन महाविद्यालयों को बीएड की सीट आवांटित हैं, उनसे विवरण मांगा गया है। विश्वविद्यालयों के कुलसचिव को विज्ञान एवं कला वर्ग के विवरण के अनुसार के 25 अगस्त तक आवंटित सीटों का विवरण अपलोड करना होगा। बीएड पाठ्यकम संचालित करने वाले महाविद्यालयों को कुलसचिव द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार अपना विवरण उपलब्ध कराना होगा। प्रवेश परीक्षा का परिणाम 27 अगस्त को जारी होगा। ऑनलाइन काउंसलिंग 1 सितम्बर और शैक्षिक सत्र 6 सितम्बर से शुरू होगा।

वैक्सीन लगवाने पहुंचे रिटायर्ड कैप्टन को पुलिस ने पीटा, सिपाही सस्पेंड

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के जनपद कन्नौज में पुलिसकर्मियों ने आर्मी के रिटायर्ड कैप्टन की बेरहमी से पिटाई की। एसपी ने मामले में कार्रवाई की है। उन्होंने पुलिस सिपाही को सस्पेंड कर दिया है। यूपी के कन्नौज जिले में खाकी की हनक देखने को मिली है। पुलिसकर्मियों ने सेना के रिटायर्ड कैप्टन को जमकर पीटा। बपुलिसवाले सरेआम बुजुर्ग को घसीटते हुए थाने ले गए। रिटायर्ड फौजी की गिरफ्तारी की सूचना के बाद गुस्साए गांववालों ने छिबरामऊ कोतवाली का घेराव किया। एसपी ने कार्रवाई करते हुए सिपाही को सस्पेंड कर दिया है। बुजुर्ग फौजी की पिटाई का मामला छिबरामऊ स्वास्थ्य केंद्र का है। सेना के रिटायर्ड कैप्टन अपनी पत्नी के साथ वैक्सीन लगवाने गए थे।वैक्सीनेशन सेंटर पर लाइन को लेकर रिटायर्ड कैप्टन और पुलिसकर्मियों के बीच बहस हो गई। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने बुजुर्ग की जमकर पिटाई की और घसीटकर गाड़ी में बैठा दिया। पुलिस कर्मियों की दबंगई का वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।आरोपी पुलिसकर्मियों को बचाने के लिए जिले के आला अफसर भी मैदान में आ गए।उन्होंने घटना के पीछे रिटायर्ड कैप्टन राजेन्द्र बहादुर को ही दोषी बताकर उसको गिरफ्तार करवा लिया।

स्वतंत्रता दिवस पर किसान मजदूर संग्राम दिवस मनायेगी भाकियू

लखनऊ,(यूएनएस)। तीनों कृषि कानूनों के विरोध और एमएसपी पर कानून बनाए जाने की मांग को लेकर दिल्ली के बॉर्डर पर करीब नौ माह से आंदोलन कर धरने पर बैठे भाकियू और किसान संगठनों ने स्वतंत्रता दिवस पर किसान–मजदूर संग्राम दिवस मनाने का निर्णय लिया है। किसान अपने जिले में गांव और तहसीलों में अपने वाहनों से तिरंगा यात्रा निकाल कर सरकार को अपनी शक्ति का एहसास कराएंगे। भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने किसानों से शांति पूर्वक इस दिवस को मनाने का आह्वान किया है। भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने किसानों से स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करते हुए शांतिपूर्वक प्रभात फेरी निकालने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन को करीब नौ माह पूरे होने वाले हैं। सरकारी हठधर्मी बनी है। किसान भी डटे हैं। किसानों का मनोबल बढ़ता जा रहा है।

समस्त ग्रामवासियों व देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं!

ग्राम-प्रधान – ग्राम-प्रतिनिधि
रीता देवी – सुनील चौरसिया
ग्राम – मथुरानगर विकास खण्ड फरेंदा (महराजगंज)

समस्त ग्रामवासियों व देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं!

लखीचंद विश्वकर्मा
पूर्व ग्राम प्रधान – अवकाश प्राप्त प्रवक्ता
ग्राम – सखिनी विकास खण्ड पथरदेवा – देवरिया

आप सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं
आपका अपना समाजसेवी

डॉक्टर इरफान अहमद
जिला पंचायत सदस्य 41
पटहेरवा, सहदौलि
तमकुही राज
कुशीनगर

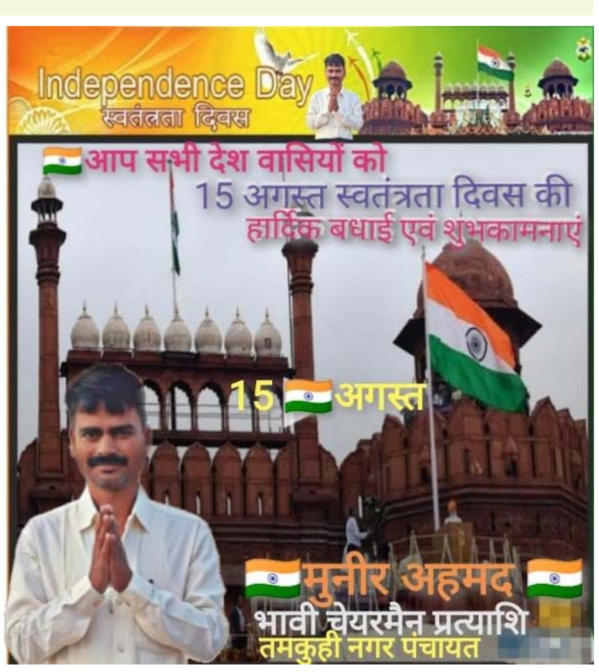

समस्त देशवासियों व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस व रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं!

सूर्य प्रकाश मिश्र उर्फ दीपु
ग्रामप्रधान प्रतिनिधि
ग्राम – जिगिना मिश्र भटनी- देवरिया (उत्तर प्रदेश)

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस व रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामन

सूरज सिंह – अरुण कुमार मौर्या
ग्रामप्रधान – डॉक्टर
खजनी – गोरखपुर

समस्त देशवासियों व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस व रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं!

राजदेव यादव
समाजसेवी
ग्राम – मथुरानगर विकास खण्ड फरेंदा (महराजगंज)

समस्त ग्रामवासियों व देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं!

अरुण कुमार शुक्ल
प्रधान संघ अध्यक्ष
ग्राम पंचायत बेइली खुर्द , बेलघाट (गोरखपुर)

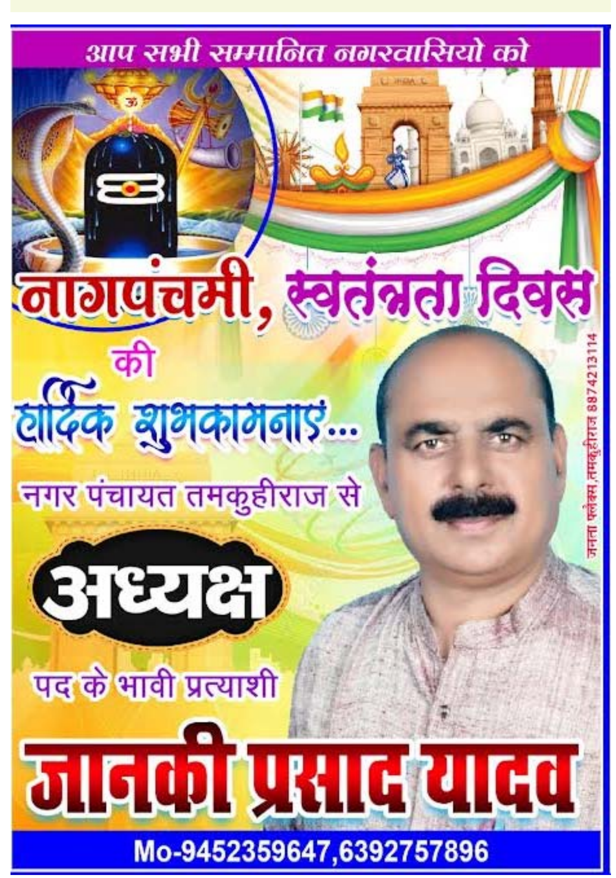

समस्त देशवासियों व क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस व रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं!

राजेश मौर्या
पूर्व – ग्रामप्रधान
ग्राम मथुरानगर विकास खण्ड फरेंदा (महराजगंज)

समस्त देशवासियों व ग्रामवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!

पहलाद यादव
पूर्व जिला उपाध्यक्ष
समाजवादी पार्टी तहसील खजनी- गोरखपुर

तमकुही राज में मस्तान बाबा के मजार पर सपा जिला अध्यक्ष ने कि चादर पोशी

– सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की सलामती की दुआ मांगी

अमिटरेखा – कृष्णा यादव तहसील प्रभारी

तमकुही राज – कुशीनगर। समाजवादी पार्टी के कुशीनगर जनपद के जिला अध्यक्ष डॉ मनोज यादव ने सपा नेताओं एवं

कार्यकर्ताओं के साथ शुक्रवार के दिन तमकुही राज स्थित मस्तान बाबा की मजार पर चादर चढ़ाया तथा 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में बनाने के लिए बाबा से दुआ मांगी इस अवसर पर बाबा के मजार के मजावर ने चादर पोशी की तथा सलामती की दुआ के लिए बाबा से दुआ की कामना की इस अवसर पर मदरसा के प्रबंधक उप प्रबंधक सहित समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक पंडित नंदकिशोर मिश्रा पूर्व विधायक कासिम अली विधानसभा अध्यक्ष गोरख निषाद विधानसभा प्रभारी सुरेश यादव विधानसभा के सपा नेता मधुर श्याम राय श्रीकृष्ण सिंह पटेल उमेश्वर सिंह पटेल पूर्व ब्लाक प्रमुख उदय नारायण गुप्ता सहित मदरसा के प्रबंधक मोहम्मद कलाम आजाद जाकिर अली मंजूर आलम रफीक खान उर्फ बबलू नियामतुल्लाह अंसारी सहित समाजवादी पार्टी के सभी फ्रंटलों के नेता गण उपस्थित रहे।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एलपीजी कनेक्शन सौंपकर उज्ज्वला 2.0 प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना का किया शुभारंभ

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने उज्ज्वला के लाभार्थियों से बातचीत की कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें रक्षाबंधन से पहले सभी बहनों को संबोधित करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना से जिन लोगों का जीवन रोशन हुआ है, विशेषकर महिलाओं की संख्या अभूतपूर्व है। यह योजना 2016 में यूपी के बलिया से स्वतंत्रता संग्राम के प्रणेता मंगल पांडे की भूमि से शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि आज उज्ज्वला का दूसरा संस्करण भी यूपी की वीरभूमि–महोबा से लॉन्च किया गया है। उन्होंने बुंदेलखंड की धरती के एक और पुत्र मेजर ध्यानचंद या दद्दा ध्यानचंद को याद किया। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार के नाम अब मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार है. उन्होंने कहा कि इससे उन लाखों लोगों को प्रेरणा मिलेगी जो खेलों को आगे बढ़ाना चाहते हैं प्रधानमंत्री ने कहा कि आवास, बिजली, पानी, शौचालय, गैस, सड़क, अस्पताल और स्कूल जैसी कई बुनियादी सुविधाएं पाने के लिए देशवासियों को दशकों तक इंतजार करना पड़ा. ऐसी कई चीजों को दशकों पहले संबोधित किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि हमारी बेटियां घर और रसोई से बाहर निकलकर राष्ट्र निर्माण में व्यापक योगदान तभी कर पाएंगी, जब घर और रसोई से जुड़ी समस्याओं का समाधान पहले होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 6–7 सालों में सरकार ने मिशन मोड पर विभिन्न मुद्दों का समाधान निकालने का काम किया है। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश भर में बनाए जा रहे करोड़ों शौचालयों जैसे कई हस्तक्षेपों को सूचीबद्ध कियाय गरीब परिवारों के लिए 2 करोड़ से अधिक घर, ज्यादातर महिलाओं के नाम परय ग्रामीण सड़केंय 3 करोड़ परिवारों को मिला बिजली कनेक्शनय आयुष्मान भारत 50 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये तक के चिकित्सा उपचार के लिए कवर दे रहा हैय मातृ वंदना योजना के तहत गर्भावस्था के दौरान टीकाकरण और पोषण के लिए प्रत्यक्ष धन हस्तांतरणय कोरोना काल में महिलाओं के जनधन खाते में सरकार द्वारा 30 हजार करोड़ रुपये जमा किए गएय जलजीवन मिशन के तहत हमारी बहन को पाइप से पानी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से महिलाओं के जीवन में व्यापक बदलाव आया है प्रधानमंत्री ने कहा कि उज्जवला योजना से बहनों के स्वास्थ्य, सुविधा और सशक्तिकरण के संकल्प को

काफी बल मिला है। योजना के पहले चरण में 8 करोड़ गरीब, दलित, वंचित, पिछड़े और आदिवासी परिवारों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिया गया. उन्होंने कहा कि इस मुफ्त गैस कनेक्शन का लाभ कोरोना महामारी के दौर में महसूस किया गया। उज्जवला योजना ने एलपीजी गैस के बुनियादी ढांचे का कई गुना विस्तार किया है। पिछले 6–7 वर्षों के दौरान 11 हजार से अधिक एलपीजी वितरण केंद्र खोले गए हैं। यूपी में इन केंद्रों की संख्या 2014 में 2 हजार से बढ़कर 4 हजार हो गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम शत–प्रतिशत गैस कवरेज के बहुत करीब हैं क्योंकि पिछले 7 वर्षों के दौरान 2014 से अधिक गैस कनेक्शन दिए गए हैं बुंदेलखंड सहित यूपी और अन्य राज्यों के कई लोग काम के लिए गांव से शहर या दूसरे राज्यों में चले गए। वहां उन्हें एड्रेस प्रूफ की समस्या का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला 2.0 योजना से ऐसे लाखों परिवारों को अधिकतम लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब अन्य जगहों से आए इन मजदूरों को एड्रेस प्रूफ के लिए दर–दर भटकने की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि सरकार को प्रवासी कामगारों की ईमानदारी पर पूरा भरोसा है। गैस कनेक्शन प्राप्त करने के लिए आपको केवल पते की स्व–घोषणा देनी होगी मोदी ने यह भी कहा कि पाइप के माध्यम से बड़े पैमाने पर गैस उपलब्ध कराने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि पीएनजी सिलेंडर से काफी सस्ता है और यूपी समेत पूर्वी भारत के कई जिलों में पीएनजी मुहैया कराने का काम चल रहा है। पहले चरण में यूपी के 50 से अधिक जिलों में 12 लाख घरों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है जैव ईंधन के लाभों के बारे में बोलते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि जैव ईंधन केवल एक स्वच्छ ईंधन नहीं है, बल्कि यह ईंधन में आत्मनिर्भरता के इंजन, देश के विकास के इंजन और देश के विकास के इंजन में तेजी लाने का एक माध्यम भी है। गाँव। उन्होंने कहा कि जैव ईंधन एक ऐसी ऊर्जा है जो हमें घरेलू और खेत के कचरे से, पौधों से, खराब अनाज से मिल सकती है। उन्होंने बताया कि हम पिछले 6–7 वर्षों में 10 प्रतिशत मिश्रण के अपने लक्ष्य के बहुत करीब हैं और हम आगे बढ़ रहे हैं। अगले 4–5 वर्षों में 20 प्रतिशत सम्मिश्रण की ओर। उत्तर प्रदेश में पिछले वर्ष के दौरान रु. 7 हजार करोड़ का एथेनॉल खरीदा गया। राज्य में कई एथेनॉल और जैव ईंधन से संबंधित इकाइयां स्थापित की गईं। प्रदेश के 70 जिलों में गन्ने के कचरे से कम्प्रेस्ड बायोगैस, सीबीजी प्लांट बनाने की इकाई स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। पराली से बायोफ्यूल बनाने के लिए बदायूं और गोरखपुर में प्लांट लग रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब देश बुनियादी सुविधाओं की पूर्ति से बेहतर जीवन के सपने को पूरा करने की ओर बढ़ रहा है। हमें आने वाले 25 वर्षों में इस क्षमता को कई गुना बढ़ाना है। एक सक्षम भारत के इस संकल्प को हमें मिलकर साबित करना है। इसमें सभी बहनों की खास भूमिका होने वाली है।

हिंदू धर्म व संत के विरुद्ध की गई टिप्पणी में मुकदमा दर्ज,अभी तक गिरफ्तारी नहीं

– बिरोध में हियुवा कार्यकर्ताओं ने थाना परिसर में किया था विरोध प्रदर्शन

अमिट रेखा – रामाशंकर सिंह

कुशीनगर। विगत गुरुवार को सेवरही में हिंदू धर्म व संत नरसिम्हा नंद सरस्वती के विरुद्ध कस्बे के एक व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने व खबर लिखे जाने तक गिरफ्तारी नहीं । जिसको लेकर हिंदू युवा वाहिनी में रोष व्याप्त है। ज्ञात हो की उक्त प्रकरण को लेकर हिन्दू वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार के दिन थाना परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए एक शिकायती पत्र स्थानीय थाने में देकर कार्रवाई की मांग की थी । पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी । लेकिन अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई। किदवई नगर निवासी मुन्ना केसरी के तहरीर के मुताबिक कस्बे के वार्ड नंबर एक अंबेडकर नगर निवासी अल्ताफ हुसैन के खिलाफ आरोप था कि उसने हिंदू धर्म और उससे जुड़े एक प्रतिष्ठित संत पर अभद्र टिप्पणी करते हुए गाली गलौच का उपयोग किया गया हैं। प्रर्दशन कर कार्रवाई की मांग करने वाले हियुवा के कार्यकर्ताओं में राजकुमार, हितेश सिंह, शिवम मद्धेशिया,शशि सोनी, हिमांशु मद्धेशिया,रोहित गुप्ता, राहुल, नितिन, निकेश,बंटी, कृष्णा, लक्ष्मण, मनीष, अजय, मनीष, अजय कुमार आदि शामिल रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों द्वारा विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। उक्त

बैठक में मुख्यमंत्री की 37 बिंदु महत्वपूर्ण प्राथमिकता विकास कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। उक्त बैठक में सभी विभाग अपनी प्रगति रिपोर्ट के साथ उपस्थित हुए, जिसमें वित्त, लघु सिंचाई, राजस्व, ऊर्जा, लोक निर्माण, कृषि, पशु, चिकित्सा, खाद्य रसद विभाग , समाज कल्याण, महिला कल्याण, बाल विकास, पुष्टाहार, वन विभाग, बेसिक शिक्षा, श्रम विभाग, सहकारिता, लोक शिकायत इत्यादि विभाग प्रमुखों ने उक्त बैठक में जिलाधिकारी को अपनी रिपोर्ट दी। जिलाधिकारी ने सभी विभागों की रिपोर्ट लेते हुए।

लंबित समितियों का पुनर्गठन करने का निर्देश दिया, उन्होंने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा को गहराई से किया जाना चाहिए। आश्वासन वाली समीक्षा नहीं होनी चाहिए कोई भी कार्य समय से पूर्ण किया जाना चाहिए। पिछले साल के सभी लंबित कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश जिलाधिकारी महोदय ने इस बैठक में दिया। उन्होंने बैठक में संबंधित विभाग प्रमुखों की अनिवार्य रूप से उपस्थिति का निर्देश दिया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुज मलिक, अपर जिलाधिकारी विंध्यवासिनी राय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुरेश पटारिया, परियोजना निदेशक राजनाथ भगत, जिला अर्थ एवं संखियिकी अधिकारी मोहम्मद नासेह, तथा अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों हेतु कल्याण योजना

अमिट रेखा सुनील पांडेय

महराजगंज। जिला उपायुक्त उद्योग द्वारा बताया गया है कि अन्य पिछड़ा वर्ग के ब्यक्तियों हेतु कल्याण योजना अन्तर्गत चार माह के लिए महिला वर्ग को ट्रेड टेलरिंग तथा पुरूष वर्ग के लिए दो पहिया बाहन मरम्मत प्रशिक्षण हेतु आवेदन करने की अन्तिम तिथि 17 अगस्त 2021 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के ब्यक्तियो को स्वरोजगार हेतु सामूहिक प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत चार माह महिला वर्ग को ट्रेड टेलरिंग तथा पुरूष वर्ग को बिजली के छोटे – मोटे सामान बनाने व रिपेयरिंग के प्रशिक्षण हेतु 16 अगस्त 2021 तक आवेदन हेतु समय को बढाया जा चुका है जो अभ्यर्थी 18 से 45 बर्ष के बीच हो और आवेदन करना चाहते हैं वह अपना आवेदन उपायुक्त उद्योग कार्यालय में जमा कर सकते हैं। इसके लिए प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को रुपये 1250=00 प्रति माह की दर से कुल 5000 हजार मानदेय दिये जाने का प्राविधान है।

मुख्यमंत्री द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालयों मे चयनित सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम हुआ संपन्न

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। जनपद कुशीनगर से वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम में जिलाधिकारी दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री राजेश्वर सिंह, तथा लालबाबू बाल्मीकि इस कार्यक्रम से जुड़े। उक्त कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवनियुक्त शिक्षकों को बधाई और शुभकामनाएं दी तथा कहा कि कई वर्षों के बाद उत्तर प्रदेश के राजकीय इंटर कॉलेज में शिक्षकों के चयन की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न हो रही है । उन्होंने कहा कि विगत 4 वर्षों में उच्च माध्यमिक तथा तकनीकी शिक्षकों के लगभग डेढ़ लाख पद भरे गए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं बल्कि प्रयोग का भी माध्यम है। शिक्षा पुस्तक विज्ञान के साथ–साथ नए अनुसंधान एवं शोध का माध्यम भी है। उन्होंने शिक्षकों को संबोधित करते हुए बताया 2017 से योग्यता होने के बाबजूद हर चयन प्रक्रिया में बेईमानी और भ्रष्टाचार का घुन लग जाता था, लेकिन सरकार के द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई गई है। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था की बेहतर स्थिति, प्रदेश में निवेश की अच्छी स्थिति, तथा इज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश के दूसरे पायदान पर आने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है , अर्थव्यवस्था ने नई ऊंचाइयों को छुआ है आबादी में सबसे बड़े प्रदेश होने के बाबजूद अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ीअर्थव्यवस्था बन चुकी है। यहां व्यापक निवेश हो रहे हैं, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हो रहा है, नए निवेश को आमंत्रण दिया जा रहा है, उन्होंने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोग्राम के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी की दर 17 फीसदी से ज्यादा थी जबकि वर्तमान में यह मात्र 4. 1 फीसदी है । हर स्तर पर लगातार परिवर्तन हो रहे हैं सही दिशा और सकारात्मकता की तरफ प्रदेश आगे बढ़ रहा है। शिक्षकों से उन्होंने अपेक्षा की प्रवेश से चयन की पूरी प्रक्रिया में हर स्तर पर निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बरती गई है तो आप से भी अपेक्षा है कि प्रदेश के अंदर एक सकारात्मक माहौल प्रदेश के नौजवानों को दें।मुख्यमंत्री ने शिक्षकों का दायित्व बताते हुए कहा के यदि 9 बजे विद्यालय प्रारंभ होता है तो आपको 8रू30 बजे ही पहुंचना चाहिए, 4 बजे विद्यालय बंद होता है तो 4रू30 बजे आपको विद्यालय से जाना चाहिए। एक–एक कमरे को चेक करें, सफाई को चेक कर,एक एक विद्यार्थी पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दें, जिससे छात्र कृतज्ञता ज्ञापित करेगा और यदि लापरवाही होगी तो छात्र जिंदगी भर आपको कोसेंगे। उन्होंने कहा कि योग्य शिक्षक तभी बनेंगे जब विद्यार्थी के रूप में आप में सीखने की जिज्ञासा हो। निरंतर जानने की प्रवृत्ति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन वही है जिस पारी को हम यादगार बना सके इस मौके पर जनपद कुशीनगर से 28 शिक्षकों की नियुक्ति हुई है जिसमें एक प्रवक्ता तथा 27 सहायक अध्यापक हैं। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में बोलते हुए दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री राजेश्वर सिंह ने कहा यह शुभ कार्यक्रम है। यह एक निष्ठावान व्यवस्था है। पहले की भ्रष्ट व्यवस्था से हमें निजात मिली है और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु की महिमा, गुरु की कृपा और गुरु का आशीर्वाद बच्चों पर बना रहता है। समाज पर इसका प्रभाव पड़ता है। बच्चा माता पिता के बाद गुरु की ही शरण में आता है और गुरु की शिक्षा, आचरण, तथा स्वभाव का बच्चे पर बहुत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा जीवन के किसी भी क्षेत्र में जो भी जिम्मेदारी मिली है उसका निर्वहन करना चाहिए। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का संकल्प आपके द्वारा किया जाना चाहिए इस मौके पर दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री लालबाबू बाल्मीकि जी ने बोलते हुए कहा कि समाज के सभी समुदाय के लोगों का आर्थिक सामाजिक और शैक्षिक विकास का कार्य माननीय मुख्यमंत्री ने किया है। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए बताया कि मैं एक भूमिहीन व्यक्ति हूं पिछड़े वर्ग से हूं मुझे सफाई कर्मी का अध्यक्ष बनाया गया है और समाज के सभी वर्ग के लोगों के लिए मैं काम करता हूँ। शिक्षक के बारे में उन्होंने बताते हुए कहा कि शिक्षक समाज के सभी वर्ग के लोगों के लिए काम करते हैं, और इस क्रम में उन्होंने अपने शिक्षण जीवन के अनुभव को साझा किया।उक्त अवसर पर जिलाधिकारी ने भी सभी शिक्षकों के उनके उज्जवल भविष्य की कामना की एवं उनको बधाइयां दी।उक्त अवसर पर सभी नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया इस अवसर पर विधायक पडरौना प्रतिनिधि राम जिला विद्यालय निरीक्षक मनमोहन शर्मा, जनप्रतिनिधिगण तथा समस्त नवनियुक्त शिक्षक गण उपस्थित थे।

जल निकास न होने कारण घरों मे घुसा पानी

अमिट रेखा – सुगन्ध गुप्ता

बनकटा बजार – कुशीनगर। जनपद के फाजिलनगर विकास खंड के पचरुखिया गांव स्थित वार्ड नं 14 में लागातार हो रही बारिश के बाद घरो में पानी घुस गया। इससे नाराज ग्रामीणों ने शुक्रवार की सुबह समाजिक कार्यकर्ता नंदलाल विद्रोही के नेतृत्व में पानी भरे रास्ते पर खड़ा होकर प्रदर्शन किया। ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी की। चेताया कि शीघ्र पानी निकासी के लिए बने नाली की सफाई नहीं कराई गई तो वे ब्लॉक मुख्यालय का घेराव करेंगे।

ग्रामीणों का कहना था कि पानी निकासी अवरुद्ध होने के कारण पूरी रात वे बाल्टी, डिब्बा आदि लेकर घरों में घुसा पानी निकालते रहे लेकिन पानी नहीं निकल सका है। आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी से कई बार शिकायत किए जाने के बाद भी उनकी मांग अनसुनी कर दी गई। बताया कि गांव में सभी नाली बनाई गई, खड़ंजा बिछाया गया और शौचालय भी बने लेकिन इनमें अधिकांश का निर्माण कागजों पर ही दिखाया गया है। कई दिनों से हो रही बारिश के कारण गांव के करीब दो दर्जन घरों में पानी घुस गया। जल निकासी का इंतजाम न होने से पानी घरों से नहीं निकल पाया। मानसून से पहले नालियों की सफाई न होने के कारण नालियां जाम हो गई हैं। उन्होंने शीघ्र जलनिकासी की व्यवस्था न किए जाने पर ब्लॉक का घेराव करने की चेतावनी दी है। प्रदर्शन करने सुलेखा,तेतरी,दुलारी,चांदनी,कविता,अमरुन निशा, बशीर,अंसारी,इस्लाम,ध्यान साहनी,केदार साहनी,अंगद साहनी,सत्यनारायण कुशवाहा, गौरीशंकर, विजय प्रताप,रामचन्द्र,सामदेव निषाद,राधेश्याम शर्मा, राजबहादुर,राधे यादव,मुर्तजा,इंद्रासन, दुर्गेश,राधेश्याम, राजदेव,प्रभुनाथ, तूफानी प्रसाद, राधा,सरवन,राजेंद्र, मुस्ताक आदि शामिल रहे। प्रधान प्रतिनिधि सुरेश कुशवाहा ने कहा कि कार्य योजना में कच्चे रास्ते पर खडंजा बिछवाने व नाली की सफाई कराने को शामिल किया गया है। बरसात कम होने पर कार्य आरंभ करा दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक तथा सम्पादक अमरनाथ पाण्डेय द्वारा अमिट प्रिन्टर्स कालेज रोड फाजिलनगर से मुद्रित ग्राम बरदहा पाण्डेय फाजिलनगर कुशीनगर से प्रकाशित।
सम्पादक
अमरनाथ पाण्डेय
मो. – 9532989009
उप सम्पादक – के.के. राय
सह. सम्पादक– चन्द्रशेखर यादव
प्रदेश प्रभारी– राजू प्रसाद श्रीवास्तव मो०– 9792617070
विज्ञापन व्यवस्थापक– नसरुल्लाह अंसारी
प्रबंधक– निखिल कुशवाहा
ईमेल : amitrekhaksn@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कुशीनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।